

-- सुविचार --

आप एक मूल व्यक्ति के रूप में पैदा हुए हैं। एक प्रति के रूप में मत मरो।

सूर्योदय/सूर्यास्त

उदय : 05:11

अस्त : 06:20

प्रदेश का तापमान

स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	33.0	21.0
जमशेदपुर	37.0	25.0
हजारीबाग	33.0	21.0
डालतनगंज	38.0	23.0

संक्षिप्त खबरें

गृह मंत्री अमित शाह आज पहुंचेंगे कोलकाता



कोलकाता। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के पश्चिम बंगाल दौरे के कार्यक्रम में एक बार फिर बदलाव किया गया है। पहले जानकारी सामने आई थी कि वह गुरुवार को राज्य पहुंचेंगे, अब बताया गया कि उनका दौरा शुक्रवार को होगा। इसके अनुसार अमित शाह गुरुवार रात को ही कोलकाता पहुंच रहे हैं। रिपोर्टों के अनुसार शुक्रवार सुबह साढ़े दस बजे से उनकी पहली बैठक शुरू होगी, जो दोपहर एक बजे तक चलेगी। इसके बाद वह दोपहर 2:55 बजे न्यूटाउन स्थित विश्व बांग्ला कनवेंशन सेंटर के लिए रवाना होंगे। यहां दोपहर तीन बजे से भाजपा विधायकों के साथ महत्वपूर्ण बैठक होगी, जो शाम पांच बजे तक चलेगी। इसके बाद शाम 5:10 बजे से रात आठ बजे तक लगातार अन्य बैठकों का कार्यक्रम तय किया गया है। तय कार्यक्रम के अनुसार मौई की सुबह 10:35 बजे अमित शाह होटल से निकलकर ब्रिगेट फोर्ड मैदान के लिए रवाना होंगे। वहां शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के बाद वह दोपहर 12:20 बजे ब्रिगेड से कोलकाता एयरपोर्ट के लिए रवाना होंगे। इसके बाद दोपहर 12:45 बजे दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे।

उच्च न्यायालय ने सीआईपी निदेशक से पूछा

स्पष्ट करें, आपके पास कितनी जमीन है



रांची। झारखंड उच्च न्यायालय ने केंद्रीय मनोरोग संस्थान (सीआईपी), कांके की निदेशक से पूछा है कि सीआईपी के पास कितनी जमीन है। कोर्ट ने सीआईपी से यह भी जानना चाहा है कि अगर अतिक्रमण है तो उसे हटाने के लिए सीआईपी की ओर से अबतक क्या कार्रवाई हुई है। मामले में राज्य सरकार की ओर से अदालत में दायर जांच प्रतिवेदन पर प्रार्थी ने अपना जवाब दाखिल किया है। मामले की अगली सुनवाई 18 जून को होगी। मामले की सुनवाई उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एमएस सोनक और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ में हुई। प्रार्थी विकास चंद्र की ओर से अपने जवाब में कोर्ट के बताया गया कि सीआईपी के पास कितनी अधिग्रहित जमीन है, उसकी जानकारी भी नहीं है। सीआईपी की जमीन से संबंधित कुछ दस्तावेज भी सरकारी रिकॉर्ड से गायब हैं। ऐसे में सीआईपी की

बाल तैराक इशांक सिंह कठिन परिश्रम व दृढ़ इच्छाशक्ति का परिचय दिया : हेमंत

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से रांची के सात वर्षीय बाल तैराक इशांक सिंह ने की मुलाकात

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से गुरुवार कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में रांची के सात वर्षीय बाल तैराक इशांक सिंह ने मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने तैराक इशांक सिंह को उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए उन्हें अपनी ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी तथा उज्जवल भविष्य की कामना की। मौके पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने सात वर्षीय बाल तैराक इशांक सिंह को उनके प्रभावशाली प्रदर्शन के लिए उन्हें

पांच लाख रुपये का चेक, स्मृति चिह्न एवं अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि रांची के इशांक सिंह ने विगत 30 अप्रैल 2026 के दिन लगातार 9 घंटे 50 मिनट तैरकर भारत और श्रीलंका के बीच स्थित चुनौतीपूर्ण पाल्क स्ट्रेट (29 किलोमीटर) को पार करते हुए अपने नाम विश्व रिकॉर्ड दर्ज किया है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए इशांक सिंह को कई विभिन्न खिताबों से सम्मानित किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाल तैराक इशान सिंह ने पाक स्ट्रेट पार कर देश और दुनिया में झारखंड प्रदेश का नाम रोशन कर दिखाया है। मौके पर मुख्यमंत्री ने इशांक सिंह के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि तैराकी के क्षेत्र में इनकी



सफलता पूरे राज्य के लिए गौरव का क्षण रहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर

प्रयासरत है। झारखंड में हमारी सरकार ने एक बेहतर खेल नीति बनाई है, जिसका लाभ यहां के खिलाड़ियों को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा झारखंड के खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण, आधुनिक सुविधाएं एवं आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। मौके पर मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि सात वर्षीय बाल तैराक इशांक सिंह भविष्य में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर झारखंड का मान बढ़ाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाल तैराक इशांक सिंह कठिन परिश्रम, अनुशासन और दृढ़ इच्छाशक्ति का परिचय दिया है। इनकी सफलता राज्य के अन्य खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि

राज्य के भीतर इशांक सिंह जैसे प्रतिभाशाली बच्चों को बेहतर प्लेटफॉर्म मिले इस निमित्त राज्य सरकार उन्हें हर संभव मदद करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा खेल के क्षेत्र में झारखंड प्रदेश निरंतर विकास कर रहा है। यहां के खेल प्रतिभाओं ने कई मौकों पर पूरे विश्व अपना लोहा मनवाया है। झारखंड के खिलाड़ी अपने कठिन परिश्रम, अनुशासन और लगन के बल पर नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रहे हैं। राज्य के युवा खिलाड़ियों की उपलब्धियां आने वाली पीढ़ी को और ऊंचावांन बनाएंगी। मौके पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने उपस्थित पदाधिकारियों से कहा कि आने वाले दिनों में तैराकी प्रशिक्षण सहित सभी सुविधाओं के विस्तार के लिए कार्य योजना बनाते हुए

राज्य सरकार आगे बढ़ेगी तथा राज्य में तैराकी प्रतिभावों को आधुनिक सुविधा प्रदान करेगी। मौके पर मुख्यमंत्री ने वर्तमान समय में तैराकी से संबंधित सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं की जानकारी उपस्थित खेल विभाग के अधिकारियों से ली। मौके पर मुख्यमंत्री ने इशांक सिंह की माता, पिता तथा कोच को भी सम्मानित किया। इस अवसर पर राज्य के पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के मंत्री सुदिव्य कुमार, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, खेल विभाग के सचिव मुकेश कुमार, निदेशक खेल आसिफ इकराम, उप निदेशक राजेश कुमार, तैराकी संघ से शैलेंद्र तिवारी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

भारत के लोकतंत्र में पश्चिम बंगाल बना पहला राज्य!

हारी सीएम का इस्तीफे से इनकार, राज्यपाल को करना पड़ा बर्खास्त



का आदेश दिया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। **तीन बार बंगाल की मुख्यमंत्री रह चुकीं ममता** ममता बनर्जी 2011 से लगातार पश्चिम बंगाल की सत्ता पर काबिज

भवानीपुर से हारीं ममता

इस बीच ममता बनर्जी को सबसे बड़ा नुकसान उठाना पड़ा है। वह अपनी पारंपरिक सीट भवानीपुर से बीजेपी के शुभेंदु अधिकारी से 15 हजार से ज्यादा वोटों से हार गई हैं। हालांकि, उन्होंने हार मानने से इनकार कर दिया। उनका आरोप है कि चुनाव में बड़े स्तर पर धांधली की गई, जिसके चलते उनसे जनता का जनादेश छीन लिया गया। ममता ने इस्तीफा देने से इनकार करते हुए कहा कि हम हारे नहीं हैं, बल्कि हमें हराया गया है।

बंगाल विधानसभा चुनाव में कई इतिहास बने

पश्चिम बंगाल की जनता ने 92 प्रतिशत से अधिक मतदान कर रिकॉर्ड कायम किया। 5 मई को टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस किया और बीजेपी पर चुनाव आयोग की मिलीभगत से जीतने का आरोप लगाया। उन्होंने खुद की नैतिक जीत का दावा करते हुए राजभवन जाकर इस्तीफा देने से इनकार किया। अभी तक यह परंपरा रही है कि चुनाव के बाद सीएम अपना इस्तीफा राज्यपाल को सौंप देते हैं। केंद्र की सरकार इस प्रक्रिया के तहत प्रधानमंत्री अपना इस्तीफा राष्ट्रपति को देते हैं। सीएम के इस्तीफे के साथ ही सीएम केबिनेटकर की भूमिका में आ जाते हैं।

बंगाल में 9 मई को बनेगी नई सरकार

इसके बाद राज्यपाल चुनाव में बहुमत हासिल करने वाले दल के नवाँचित नेता को शपथ दिलाते हैं। बंगाल में 8 मई को बीजेपी विधायक दल की बैठक होने वाली है, जिसमें नए नेता का चुनाव किया जाएगा। 9 मई को सुबह 10 बजे ब्रिगेड फोर्ड ग्राउंड में नई सरकार के सीएम और मंत्रिपरिषद शपथ लेगी।

लिफ 148 सीट चाहिए थीं, लेकिन बीजेपी ने 207 सीटों के साथ यह आंकड़ा भी पार कर लिया है। वहीं, एक सीट फाल्टा पर 21 मई को मतदान और 24 मई को नतीजे आएंगे।

व्हाट्सऐप पर आया 'शादी का कार्ड', खाते से उड़े 2.73 लाख

रांची। आजकल डिजिटल वेडिंग कार्ड फैशन में है। अब ये फैशन ठगी का जरिया बन गया है। झारखंड की राजधानी रांची में साइबर अपराधियों ने ठगी के इस खतरनाक तरीके को इस्तेमाल किया। अब अपराधी लोगों की भावनाओं और सामाजिक परंपराओं का फायदा उठाकर उन्हें अपना शिकार बना रहे हैं। रांची के हेहल इलाके में रामचंद्र नाम क व्यक्ति को व्हाट्सऐप पर एक शादी का कार्ड मिला। जैसे ही उन्होंने कार्ड देखने के लिए फाइल पर क्लिक

किया, उनका पूरा मोबाइल फोन हैक हो गया। इसके बाद महज दो दिनों के भीतर उनके बैंक खाते को पूरी तरह साफ कर दिया गया। रामचंद्र को 30 अप्रैल को उनके व्हाट्सऐप पर एक अनजान नंबर से शादी का डिजिटल कार्ड भेजा गया था। कार्ड असली लगे, इसके लिए उसे सामान्य ग्राफिक्स के साथ भेजा गया था। पीड़ित ने जैसे ही कार्ड को डाउनलोड कर उसे खोलने के लिए लिंक या फाइल पर क्लिक किया, वैसे ही बैंकग्राउंड में उनके फोन का एक्सेस

अपराधियों के पास चला गया। हैकर्स ने फोन का कंट्रोल मिलते ही बैंकिंग ट्रांजेक्शन शुरू कर दिए। 2 मई को शांतिर अपराधियों ने रामचंद्र के खाते से कुल पांच बार में 2.73 लाख की अवैध निकासी की। जिसकी जानकारी उन्हें फोन पर आए निकासी के मैसेज से हुआ। पीड़ित को ठगी का अहसास तब हुआ जब उनके मोबाइल पर पैसे कटने के मैसेज आने लगे। आनन-फानन में उन्होंने अपना बैंक खाता ब्लॉक करवाया और पुलिस की शरण ली।

चिंताजनक— मिड-डे मील के खाने में चौंकाने वाली लापरवाही आयी सामने

थाली में मिला मरा हुआ सांप, 250 से अधिक बच्चे हैं बीमार

नव प्रदेश संवाददाता

सहरसा। बिहार के सहरसा जिले में गुरुवार को एक बड़ी लापरवाही सामने आई है। जिले के महिषी प्रखंड स्थित राजकीय मध्य विद्यालय बलुआहा में मिड-डे मील खाने के बाद 250 से अधिक बच्चे अचानक बीमार पड़ गए। खाना खाने के कुछ देर बाद ही बच्चों ने पेट दर्द, उल्टी, चक्कर और बेचैनी की शिकायत की, जिसके बाद स्कूल परिसर में भारी हड़कंप मच गया। आनन-फानन में सभी बीमार बच्चों को इलाज के लिए महिषी स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। एक साथ इतनी बड़ी संख्या में बीमार बच्चों के पहुंचने से स्वास्थ्य केंद्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और भीड़ जमा हो गई। डॉक्टरों की टीम लगातार बच्चों की जांच और



उपचार में जुटी हुई है। बताया जा रहा है कि एक बच्चे की थाली में सांप का मरा हुआ बच्चा मिला था। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसके बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। हालांकि राहत

की बात यह है कि सभी बच्चे अब खतरे से बाहर बताए जा रहे हैं। **छात्रों ने बताई आपबीती** पांचवीं कक्षा के छात्र रोहित कुमार ने बताया कि सुबह करीब 10 बजे स्कूल में भोजन में चावल-दाल दिया



गया था। इसे खाने के कुछ ही देर बाद तबीयत खराब होने लगी। पेट में तेज दर्द के साथ उल्टी और चक्कर आने लगे। वहीं, सातवीं कक्षा की छात्रा शिवानी ने भी बताया कि भोजन के तुरंत बाद एक-एक कर कई बच्चों की तबीयत बिगड़ने लगी थी।

कई बच्चे सदर अस्पताल रेफर

घटना की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया। सहरसा के सिविल सर्जन डॉ. राजनारायण प्रसाद स्वास्थ्य अधिकारियों की टीम के साथ तुरंत महिषी पहुंचे और बच्चों के इलाज की व्यवस्था का जायजा लिया। सिविल सर्जन डॉ. राजनारायण प्रसाद ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह फूड प्वाइजनिंग का मामला लग रहा है। सभी बच्चों का तुरंत इलाज किया जा रहा है। एहतियात के तौर पर निम्न बच्चों की तबीयत ज्यादा खराब थी, उन्हें सहरसा सदर अस्पताल रेफर किया गया है। उन्होंने बताया कि फिलहाल सभी बच्चों का उपचार जारी है। स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में

है और सभी बच्चे खतरे से बाहर हैं। घबराने की कोई बात नहीं है। **एफएसएल टीम ने जब्त किए सैंपल** घटना के बाद प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह सक्रिय हो गया। सहरसा सदर एसडीएम श्रेयांश तिवारी ने बताया कि भोजन करने के कुछ देर बाद ही बच्चों को उल्टी, घबराहट और पेट दर्द की शिकायत होने लगी। आनन-फानन में सभी बच्चों को नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। थाली में मरा हुआ सांप मिलने की सूचना के बाद एफएसएल टीम भी स्कूल पहुंची और भोजन सहित अन्य जरूरी सैंपल जब्त किए। अधिकारियों का कहना है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

संक्षिप्त खबरे

अभिषेक झा के विदेश जाने की अनुमति मांग वाली याचिका पर आदेश सुरक्षित

रांची। मनरेगा घोटाला से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आईएसएस पूजा सिंघल के पति अभिषेक झा की विदेश जाने की अनुमति से संबंधित याचिका पर पीएमएलए कोर्ट में गुरुवार को सुनवाई पूरी हो गई। इसके बाद अदालत ने इस मामले में फैसला सुरक्षित रखा है। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों अदालत ने पूजा सिंघल को विदेश (सिंगापुर) जाने की अनुमति प्रदान की है। वहीं अभिषेक झा ने भी अदालत से वेटी के इलाज के लिए सिंगापुर जाने की इजाजत मांगी है। दरअसल मनरेगा घोटाला मामले की जांच के दौरान ईडी ने पूजा सिंघल, उनके पति अभिषेक झा और सीए सुमन कुमार सिंह के अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान सुमन कुमार सिंह के ठिकाने से 19.31 करोड़ नकद मिले थे। मामले में कार्रवाई करते हुए ईडी ने 11 मई 2022 को पूजा सिंघल को गिरफ्तार किया था। 28 माह जेल में रहने के बाद पूजा सिंघल को जमानत मिली थी। वहीं अभिषेक झा को भी समन जारी कर इस मामले में कई दिनों तक पछुताछ की गई थी। वह इस मामले में चार्जशीटed आरोपित हैं।

बिजली विभाग की एजेंसी प्रणाली से बढ रहा आर्थिक बोझ : अजय राय



रांची। झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ के केंद्रीय अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि झारखंड ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड की वर्तमान एजेंसी प्रणाली से कर्मचारियों को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। निगम पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। इसलिए विभाग पूर्व की प्रत्यक्ष व्यवस्था बहाल करें। या फिर पूरे राज्य में एकल एजेंसी व्यवस्था लागू कर जैप आईटी को अधिकृत नियोक्ता बनाया जाए। अजय राय गुरुवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि तमाम बातों पर आज गुगल मीट के जरिए भी संघ के सभी सदस्यों के साथ व्यापक चर्चा हुई है। उन्होंने कहा कि बैठक में झारखंड ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड की नई नियुक्ति प्रक्रिया शुरू किए जाने के निर्णय का स्वागत करते हुए मानव दिवस कर्मियों और एजेंसी कर्मियों को प्राथमिकता देने की मांग उठाई गई। संघ के सदस्यों ने कहा कि वर्ष 2016 और 2017 की बहाली प्रक्रिया की तर्ज पर मानव दिवस कर्मियों को नियुक्ति में प्राथमिकता देते हुए आयु सीमा में पांच वर्ष की छूट प्रदान की जाए। साथ ही वर्ष 2014 में तैयार मानव दिवस कर्मियों की सूची को कार्यकाल निर्धारण का आधार बनाने और बाद के वर्षों में कार्यरत कर्मियों को अनुभव का लाभ देने की मांग की गई। बैठक में प्रधान महामंत्री अमित कुमार कश्यप, मुकेश साहू, मनुभागवान मिश्रा, शिवनारायण साहू सहित अन्य लोग मौजूद थे।

धरोहर

छात्राओं को भारतीय संस्कृति, संस्कार व मंत्रों से जोड़ने का प्रयास

छात्रों ने जाना भारतीय संस्कृति व मंत्रों का महत्व

रांची। मारवाड़ी महिला सम्मेलन के संस्कार ही धरोहर कार्यक्रम के तहत गुरुवार को शिवनारायण कन्या पाठशाला में छात्राओं को संस्कृत के उपयोगी श्लोक सिखाने का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कक्षा एक से आठवीं तक की छात्राओं ने करीब डेढ़ घंटे तक शुद्ध उच्चारण और मधुर स्वर में मंत्र और श्लोकों का पाठ किया। यह जानकारी मारवाड़ी महिला सम्मेलन के मीडिया प्रभारी रीना सुरेका ने जारी प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी।

इस अवसर पर राष्ट्रीय बाल विकास प्रकल्प प्रमुख रूप अग्रवाल ने बताया कि छात्राओं को भारतीय संस्कृति, संस्कार और दैनिक जीवन में मंत्रों के महत्व से जोड़ना ही इस कार्यक्रम का उद्देश्य



है। सुरेका ने बताया कि छात्राओं को सुबह उठकर धरती माता को प्रणाम करने, घर के बुजुर्गों का आशीर्वाद लेने और स्नान, भोजन और अन्य दैनिक कार्यों के समय निर्धारित मंत्रों का जाप करने के लिए प्रेरित किया।



छात्राओं ने भी इन बातों को नियमित रूप से अपनाने का संकल्प लिया। प्रोजेक्टर चेयरपर्सन बबीता नारसरिया ने बताया कि उसकी देशभर की करीब 700 शाखाएं अपने-अपने क्षेत्रों के विद्यालयों में बच्चों को मंत्र, श्लोक और भारतीय

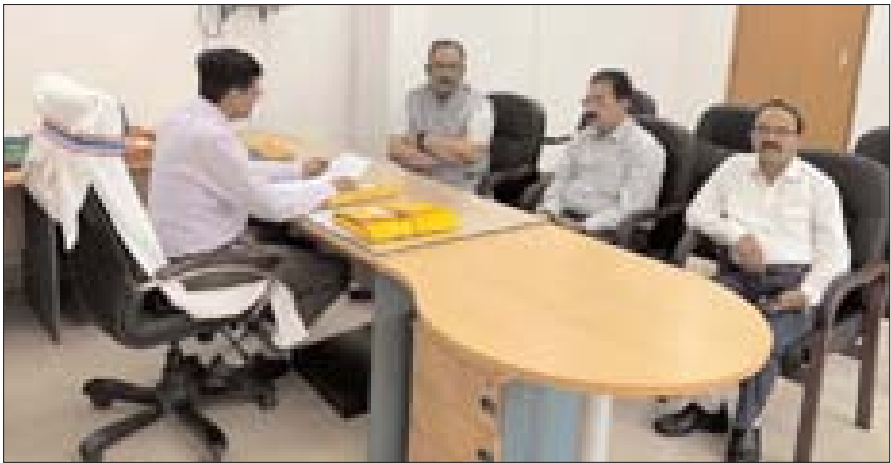


संस्कृति से जुड़ी अच्छी बातें सिखाने का अभियान चलाएंगी। सम्मेलन की ओर से बताया गया कि 08 मई को पुनः विद्यालय पहुंचकर शुद्ध उच्चारण करने वाली छात्राओं को पुरस्कृत किया जाएगा। कार्यक्रम में राष्ट्रीय बाल विकास



प्रकल्प प्रमुख रूपा अग्रवाल, रांची शाखा अध्यक्ष सरिता अग्रवाल, छाया अग्रवाल, प्रीति अग्रवाल, ललिताना नारसरिया, उषा विजयवर्गीय, कमला विजयवर्गीय सहित बड़ी संख्या में छात्र और शिक्षक मौजूद थे।

झारखंड में बाहर से आनेवाले डॉक्टरों को सरकार देगी राहत, प्रस्ताव तैयार



भेजा जाएगा। इसका उद्देश्य दूसरे राज्यों से आने वाले योग्य और निर्बाधित डॉक्टरों को झारखंड में चिकित्सा सेवा में सहूलियत देना है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की

प्राथमिकता मरीजों को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना है। यदि विशेषज्ञ डॉक्टरों के लिए प्रक्रिया आसान होगी तो राज्य के मरीजों को सुपर स्पेशियलिटी और उन्नत इलाज का

लाभ भी आसानी से मिल सकेगा। बैठक में संशोधन से संबंधित कठिनाइयों पर चर्चा की गई। सदस्यों ने बताया कि दूसरे राज्यों से आने वाले विशेषज्ञ चिकित्सकों को अतिरिक्त औपचारिकताओं के

कारण परेशानी उठानी पड़ती है, जिससे राज्य में विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं की उपलब्धता प्रभावित होती है।

वर्तमान नियम के अनुसार झारखंड में प्रैक्टिस करने वाले सभी डॉक्टरों के लिए राज्य में अलग से निबंधन अनिवार्य है।

भले ही चिकित्सक राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग या किसी अन्य राज्य मेडिकल काउंसिल में पहले से निर्बाधित हों, उन्हें झारखंड में अलग से पंजीकरण कराना पड़ता है। बिना निबंधन के वे राज्य में चिकित्सा सेवा नहीं दे सकते।

बैठक में झारखंड मेडिकल काउंसिल के अध्यक्ष डॉ साहिर पाल, रजिस्ट्रार सह सचिव डॉ विमलेश कुमार सिंह और स्टेट आईएमए झारखंड के प्रतिनिधि डॉ शंभु प्रसाद मौजूद थे।

झामुमो ने खाली सिलेंडर के साथ किया प्रदर्शन, केंद्र पर उड़ाया सवाल



रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) रांची जिला और

महानगर कमेटी ने गुरुवार को रांची में केंद्र सरकार की नीतियों पर सवाल उठाया। बहुती महंगाई और

गैस सिलेंडर की कीमतों में वृद्धि के खिलाफ खाली सिलेंडर के साथ धरना-प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया। झामुमो केंद्रीय

नेतृत्व के निर्देश पर आयोजित कार्यक्रम का संचालन अंतु तिकी ने किया। इस अवसर पर मोर्चा के

केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि केंद्र सरकार महंगाई पर नियंत्रण करने में

पूरी तरह विफल रही है। घरेलू और कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में लगातार वृद्धि से आम जनता, छोटे व्यवसायी, ढाबा

संचालक और मध्यमवर्गीय परिवार आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि महंगाई और गैस सिलेंडरों की बढ़ी हुई कीमतें तत्काल वापस लिया जाए।

धरना प्रदर्शन में मुख्य रूप से केंद्रीय

अध्यक्षता करते हुए मोर्चा के जिला संयोजक प्रमुख मुस्ताक आलम ने कहा कि भाजपा सरकार की नीतियों के कारण गरीब, मजदूर, किसान और छोटे व्यापारी सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। उन्होंने मांग की कि घरेलू और कॉमर्शियल गैस सिलेंडरों की बढ़ी हुई कीमतें तत्काल वापस लिया जाए। धरना प्रदर्शन में मुख्य रूप से केंद्रीय

सचिव नंदकिशोर मेहता, अंतु तिकी, अश्विनी शर्मा, पवन जेडीया, डॉ हेमलाल मेहता, बीरू तिकी, जयवंत तिग्गा, संध्या गुड़िया, सोनू मुंडा, झब्बूलाल महतो, फरीद खान, रौशन सिंह, अफरोज अंसारी, रामशरण तिकी, नवीन तिकी, चामू बेक, राधिका महतो सहित बड़ी संख्या में झामुमो के नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे।

तालाब में गिरी कार, शादी से लौट रहे दो लोगों की मौत



रांची। रांची के तमाड़ थाना क्षेत्र में बुधवार देर रात एक सड़क हादसे में दो लोगों की जान वली गई। यह घटना बालाडी गांव के पास घटी जब एक कार अनियंत्रित होकर तालाब में जा गिरी। हादसे के वक्त कार में तीन लोग सवार थे, जिनमें से एक युवक तेरकर बाहर निकलने में सफल रहा। कार सवार सहित सभी लोग रामगढ़ जिले के बरलगा ओपी क्षेत्र के रहने वाले थे और एक शादी समारोह से वापस लौट रहे थे। लौटने के दौरान बालाडी गांव के समीप अचानक कार का संतुलन बिगड़ गया और वाहन सीधे तालाब में जा गिरा। हादसे के बाद कार तेजी से पानी में डूबने लगी। कार में मौजूद शुभम गुप्ता किसी तरह बाहर निकल आया। उसने स्थानीय लोगों और पुलिस को घटना की सूचना दी। इसके बाद ग्रामीणों की मदद से राहत और बचाव

कार्य शुरू किया गया। सूचना मिलते ही तमाड़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और तालाब में फंसे लोगों को बाहर निकालकर तमाड़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने 42 वर्षीय करमजीत और 40 वर्षीय रिकी गुप्ता को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद इलाक़े में शोक का माहौल है। स्थानीय लोगों ने आशका जताई है कि कार सवार लोग नशे की हालत में हो सकते हैं, हालांकि पुलिस ने इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। पुलिस का कहना है कि हादसे के कारणों की हर पहलू से जांच की जा रही है। तमाड़ थाना प्रभारी प्रवीण कुमार मोदी ने बताया कि दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए रांची स्थित रिस्स भेजा गया। वहीं, तालाब में डूबी कार को ड्रेन की मदद से बाहर निकाल लिया गया है।

एक नजर

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मिले झारखंड बधिर क्रिकेट संघ के खिलाड़ी



रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से गुरुवार को झारखंड बधिर क्रिकेट संघ के खिलाड़ियों ने रांची स्थित लोक भवन में शिष्टाचार भेंट की। बधिर क्रिकेट संघ के अध्यक्ष दीपक यादव के नेतृत्व में शिष्टमंडल ने राज्यपाल को अवगत कराया कि विषम परिस्थितियों एवं सीमित संसाधनों के बावजूद टीम के खिलाड़ियों ने निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है तथा तृतीय टी-20 नेपाल डीफ क्रिकेट टूर सीरीज ऑफ इंडिया 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया है। राज्यपाल ने टीम के खिलाड़ियों को इस उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास, समर्पण एवं टीम भावना का सशक्त प्रतीक है। खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा, हृदय इच्छाशक्ति और मेहनत के बल पर यह सिद्ध किया है कि चुनौतियाँ सफलता के मार्ग में बाधा नहीं बन सकती। उन्होंने कहा कि क्रिकेट देश का अत्यंत लोकप्रिय खेल है तथा हर्ष है कि झारखण्ड के खिलाड़ी क्रिकेट सहित विभिन्न खेल विधाओं में निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राज्य एवं देश का नाम गौरवान्वित कर रहे हैं। यहां के युवाओं में खेलों के प्रति विशेष रुचि एवं अपार प्रतिभा विद्यमान है, जिसे उचित प्रोत्साहन एवं अवसर प्रदान किए जाने की आवश्यकता है। राज्यपाल ने कहा कि प्रतिभाशाली दिव्यांग खिलाड़ियों को उपलब्धियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं और वे खेल एवं खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए सदैव प्रयासरत हैं। उन्होंने झारखण्ड बधिर क्रिकेट संघ को यथासंभव सहयोग एवं प्रोत्साहन का आश्वासन भी दिया।

झारखंड में मई माह में नहीं पड़ेगी भीषण गर्मी, लातेहार में अधिकतम तापमान महज 28 डिग्री



रांची। झारखंड में मई माह में भीषण गर्मी नहीं पड़ेगी। यह जानकारी मौसम विभाग की ओर से गुरुवार को दी गई है। विभाग के अनुसार लातेहार में गुरुवार को अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जबकि जमशेदपुर में न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। लातेहार के अधिकतम और जमशेदपुर के न्यूनतम तापमान में अंतर महज 03 डिग्री का है। विभाग के अनुसार राज्य भर में 12 मई तक गर्जन के साथ हल्की बारिश होने और वज्रपात की संभावना व्यक्त की गई है। साथ ही इस दौरान 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की भी बात कही गई है। इसे लेकर विभाग की ओर से वेलो अलर्ट जारी किया गया। पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान 36.2 डिग्री जमशेदपुर में और सबसे कम न्यूनतम तापमान रांची के कंकि में 17.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से ही बादल छाप रहे जबकि दोपहर बाद घने बादल छाए रहने और गर्जन के साथ हल्की बारिश दर्ज की गई। बारिश होने से ठंडी हवाएं चली इससे मौसम सुहाना बना रहा। वहीं, गुरुवार को रांची में अधिकतम तापमान 32 डिग्री और न्यूनतम 19.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं जमशेदपुर में अधिकतम 34.8 डिग्री और न्यूनतम 25 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 36.2 और न्यूनतम 23.6 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 34.1 डिग्री और न्यूनतम 22.6 डिग्री एवं चाईबासा में अधिकतम तापमान 34 डिग्री और न्यूनतम तापमान 22.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

संवेदनशीलता और जवाबदेही से काम करें अधिकारी : उपायुक्त

खूंटी। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त सौरभ कुमार भुवनिया ने गुरुवार को सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों एवं अंचल अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में जिले में विधि व्यवस्था बनाए रखने, सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और आमजनों की समस्याओं के त्वरित समाधान को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने कहा कि सभी अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ कार्य करें एवं सरकारी योजनाओं का चयन और क्रियान्वयन प्रगदर्शी तरीके से सुनिश्चित करें। उन्होंने जनसुनवाई के माध्यम से प्राप्त शिकायतों के त्वरित निपादन पर विशेष बल देते हुए कहा कि आम लोगों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए। बैठक में जाति, आवासीय और आय प्रमाण पत्र सहित अन्य प्रमाण पत्रों के निर्माण, दखिन्ना-खारिज एवं संबंधित मामलों का निर्धारित समय सीमा के भीतर निपादन करने का निर्देश दिया गया, ताकि लोगों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके अलावा उपायुक्त ने आंगनबाड़ी केंद्र, सीएचसी और पीएचसी सहित अन्य सरकारी भवनों के निर्माण के लिए समय पर भूमि चिन्हित करने का निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिया। उन्होंने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों और अंचल अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ ईमानदारीपूर्वक अपने दायित्वों का निर्वहन करने की बात कही। बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी, जिला पंचायती राज पदाधिकारी, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

रिस्स और बड़गाई में डालसा ने आयोजित किया विधिक जागरूकता

रांची। रिस्स और बड़गाई अंचल एवं बड़गाई बस्ती में डालसा की टीम ने 90 दिवसीय विधिक जागरूकता कार्यक्रम के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन गुरुवार को किया।

उल्लेखनीय है कि न्यायमूर्ति-सह-कार्यपालक अध्यक्ष, झालसा सुजीत नारायण प्रसाद के दिशा-निर्देश पर और सदस्य सचिव झालसा, कुमारी रंजना अस्थाना एवं माननीय न्याययुक्त अनिल कुमार मिश्रा-1 के मार्गदर्शन में 90 दिवसीय विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। डालसा के पीएलवी की ओर से बाल विवाह, बाल श्रम, डाउन बिहाली और नशा उन्मुलन पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पीएलवी रिषभ जायसवाल ने कहा कि नशा



से घर परिवार नष्ट होता है। युवाओं को नशा करने से बचना चाहिए। स्नेहलता दुबे ने जिला पधिकारी सुविधाओं और लाभकारी योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी गयी। पीएलवी रिषभ जायसवाल सहित अन्य ने 09 मई आयोजित होनेवाले राष्ट्रीय लोक अदालत पर भी चर्चा की की। कार्यक्रम में डालसा टीम में पीएलवी स्नेहलता दुबे, शाहिष्ठा प्रवीण, रिषभ जायसवाल, सूरज वर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

साथ ही जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची से मिलनेवाली सुविधाओं और लाभकारी योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी गयी। पीएलवी रिषभ जायसवाल सहित अन्य ने 09 मई आयोजित होनेवाले राष्ट्रीय लोक अदालत पर भी चर्चा की की। कार्यक्रम में डालसा टीम में पीएलवी स्नेहलता दुबे, शाहिष्ठा प्रवीण, रिषभ जायसवाल, सूरज वर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

सौर सिंचाई से बदल रही ग्रामीण तस्वीर किसानों को मिल रही आत्मनिर्भरता और बढ़ी आय की नई राह

नवप्रदेश/दुमका। Jhakhand State Livelihood Promotion Society के माध्यम से दुमका जिले के जरमुंडी प्रखंड में सामुदायिक संस्थानों एवं सखी मंडल की दीदीयों द्वारा राज्य संपोषित सामुदायिक प्रबंधित सूक्ष्म सिंचाई योजना का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। यह योजना ग्रामीण महिला किसानों के लिए आजीविका संवर्धन, टिकाऊ कृषि एवं आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बनकर उभर रही है। योजना के अंतर्गत सौर ऊर्जा संचालित पंपों के माध्यम से निचले जल स्रोतों से पानी उठाकर ऊंचाई पर स्थित खेतों तक पहुंचाया जाएगा, जिससे किसानों को वर्ष भर सिंचाई की



सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। प्रत्येक इकाई से न्यूनतम 10 एकड़ भूमि सिंचित होगी, जिससे खेती का दायरा और उत्पादकता दोनों बढ़ेंगे।जरमुंडी प्रखंड के 8 पंचायतों के 16 गांवों में कुल 24 सौर ऊर्जा संचालित पंप स्थापित किए जाने हैं। इनमें से 10 इकाइयों का कार्य पूर्ण हो चुका है, जबकि शेष कार्य तेजी से प्रगति पर है।

बारिश ने खोली नगर निगम की पोल, गांधी चौक में सड़क हुआ जलमग्न

नवप्रदेश/गिरिडीह। शहर में हुई बारिश ने नगर निगम की लचर व्यवस्था की कलाई खोल दी। व्यस्ततम इलाकों में शुमार गांधी चौक पर जलजमाव इतना बढ़ गया कि पैदल चलना भी मुश्किल हो गया। जगह-जगह नाले का गंदा पानी जमा होने से राहगीरों और दुकानदरों को खासी परेशानी झेलनी पड़ी। तस्वीरों से साफ झलकता है कि शहरवासी किस नरकीय स्थिति में जीने को मजबूर हैं। सड़कों पर पानी भरने से नगर निगम के सफाई और जलनिकासी के दावे बारिश ने पूरी तरह बेनकाब कर दिए। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन पर निशाना साधते हुए कहा कि हर मानसून में यही हाल होता है। एक दुकानदार ने बताया, ह्यूमनी सड़क पर ही नहीं, दुकानों तक घुस आता है। निगम वाले सिर्फ वादे करते हैं।इ राहगीरों ने मांग की है कि जल्द स्थायी जलनिकासी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि बारिश शहर को यातनाएं न दे। पुरानी नालियों का रखरखाव और साफ-सफाई न होने से यह समस्या बार-बार पैदा हो रही है। आम लोगों और राहगीरों को परेशानी दूर करने के लिए प्रशासन को अब ठोस कदम उठाने होंगे।



नवप्रदेश/गिरिडीह। गिरिडीह के सिहोडीह स्थित रस्ती३9७ उंणी१ क्लर२३-३४३ीं ने खअउ 12वीं साइंस परीक्षा 2026 में शानदार सफलता हासिल कर जिले में अपनी अलग पहचान बनाई है। संस्थान के दो मेधावी छात्रों ने डिस्ट्रिक्ट टॉप-10 में जगह बनाकर न सिर्फ अपने परिवार बल्कि पूरे संस्थान का नाम रोशन किया है। वहीं करीब 50 विद्यार्थियों ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर सफलता का परचम लहराया है। संस्थान प्रबंधन ने इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए कहा कि यह विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों के समर्पण और बेहतर शैक्षणिक माहौल का परिणाम है। सफल छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। डिस्ट्रिक्ट टॉप के डायरेक्टर ने बताया कि रस्ती३9७ उंणी१ क्लर२३४३ीं में उड़एर और खअउ बोर्ड के लिए अलग-अलग बैच की सुविधा उपलब्ध है। यहां उड़एर एवं कवरए बोर्ड के कक्षा 6वीं से 12वीं तक की नियमित पढ़ाई कराई जाती है, जबकि खअउ 11वीं और 12वीं बोर्ड की विशेष कक्षाएं मॉर्निंग बैच में संचालित होती हैं। उन्होंने कहा कि संस्थान ने केवल बोर्ड परीक्षा में ही नहीं बल्कि प्रतियोगी परीक्षाओं में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। इस वर्ष संस्थान के 7 छात्रों ने क्वाट्र टैलर में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सफलता हासिल की है, जिससे संस्थान की शैक्षणिक गुणवत्ता और मार्गदर्शन की क्षमता एक बार फिर साबित हुई है।

तीन दिवसीय जनगणना प्रशिक्षण का अयोजन

नवप्रदेश/गिरिडीह। गिरिडीह के सभी प्रखंडों में 3 दिवसीय जनगणना प्रशिक्षण दिया जा रहा है जनगणना प्रशिक्षण के तहत गिरिडीह जिले के सभी प्रखंडों में ३ दिवसीय प्रशिक्षण केंद्रों में फ़िल्ड ट्रेनरों के द्वारा जनगणना की प्रशिक्षण दिया जा रहा था। 3 दिवसीय प्रशिक्षण का चौथा बैच का प्रारंभ हुआ। मास्टर ट्रेनर के द्वारा दिए जा रहे प्रशिक्षण का निरीक्षण सभी प्रखंडों के बीडीओ द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को कई दिशा निर्देश दिया गया। 1 16 मई से 14 जून 2026 तक मकान सूचीकरण और गणना का कार्य किया जाएगा। इससे पहले नागरिकों के लिए 1 मई से 15 मई 2026 तक Self-Enumeration यानी स्व-गणना की सुविधा दी गई है। लोग se.census.gov.in पोर्टल पर जाकर अपने परिवार की जानकारी खुद भर सकते हैं। इसके लिए मोबाइल नंबर, ड्रव्ज और पता जैसी जानकारी देनी होगी। 33 सवालों का सरल फॉर्म भरकर सबमिट करना होगा। नागरिकों को एक एर कळमिलेगी, जिसे सुरक्षित रखना जरूरी है। यह प्रक्रिया आसान और डिजिटल है।

जनगणना–2027 को लेकर उपायुक्त ने की समीक्षा बैठक 16 मई से 14 जून तक चलेगा मकान सूचीकरण कार्य

नवप्रदेश/दुमका। उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में जनगणना-2027 को लेकर गठित विभिन्न कोषांगों के वरीय पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में वर्तमान में संचालित स्व-गणना कार्य एवं आगामी मकान सूचीकरण कार्यक्रम की तैयारियों को विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में जानकारी दी गयी कि जनगणना-2027 के अंतर्गत 1 मई से 15 मई 2026 तक स्व-गणना (से।एल्लेनशे३३क्ल्ल) का कार्य संचालित किया जा रहा है। इस दौरान नागरिक स्वयं आधिकारिक पोर्टल एवं मोबाइल एप के माध्यम से अपनी जानकारी दर्ज कर रहे हैं।उपायुक्त ने संबंधित



पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि अधिक से अधिक लोगों को स्व-गणना प्रक्रिया से जोड़ने हेतु व्यापक प्रचार-प्रसार एवं जनजागरूकता अभियान चलाया जाए। बैठक में आगामी चरण के तहत 16 मई से 14 जून 2026 तक संचालित होने वाले मकान सूचीकरण कार्य की तैयारियों पर

भी विस्तार से चर्चा की गई। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि निर्धारित समय सीमा के भीतर घर-घर जाकर मकानों एवं परिवारों से संबंधित जानकारी का संग्रहण सुनिश्चित करें। इसके लिए सभी आवश्यक संसाधन, प्रशिक्षण आदि व्यवस्थाएं समय पर उपलब्ध कराई जाएं।

उपायुक्त ने आमजनों की सुविधा के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी करने का निर्देश दिया, ताकि जनगणना से संबंधित जानकारी, तकनीकी सहायता एवं शिकायतों का त्वरित समाधान उपलब्ध कराया जा सके। साथ ही उन्होंने सभी कोषांगों को अपने कार्य समयय संपादित करने का निर्देश दिया।उन्होंने कहा कि नियमित मॉनिटरिंग एवं समन्वय के माध्यम से जनगणना कार्य को सफल एवं नुटिरहित ढंग से संपन्न कराया जाएगा। बैठक में जनगणना कार्य के सफल संचालन हेतु विभागीय समन्वय, प्रशिक्षण, प्रचार-प्रसार एवं तकनीकी तैयारियों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

गिरीडीह/दुमका/कोल्हान

गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमत के खिलाफ झामुमो का धरना प्रदर्शन

नवप्रदेश/गिरिडीह। गिरिडीह के टॉवर चौक पर झारखंड मुक्ति मोर्चा जिला समिति की ओर से बढ़ती महंगाई और गैस सिलेंडर की लगातार बढ़ती कीमतों के विरोध में एकदिवसीय धरना प्रदर्शन आयोजित किया गया। धरना कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष संजय सिंह ने की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में झामुमो कार्यकर्ता और समर्थक शामिल हुए। धरना के दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। वक्ताओं ने कहा कि रसोई गैस की कीमतों में लगातार हो रही वृद्धि से आम जनता, खासकर गरीब और मध्यम वर्ग की महिलाओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से घरेलू गैस सिलेंडर के दाम कम करने की मांग की। झामुमो नेताओं ने कहा कि बढ़ती महंगाई ने आम लोगों का जीवन कठिन बना दिया है और सरकार जनता की



समस्याओं को नजरअंदाज कर रही है। नेताओं ने कहा कि यदि महंगाई पर नियंत्रण नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। कार्यक्रम शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। इस मौके पर जिला अध्यक्ष संजय सिंह, महापौर प्रमिला मेहरा, उप महापौर सुमित कुमार, पूर्व विधायक केदार हाजरा, महालाल सोरेन, शाहनवाज अंसारी, अजीत कुमार पप्पु, प्रणव वर्मा, रंकी सिंह, दिलीप रजक, अनवर अंसारी, नौशाद अहमद चांद, नागेश्वर दास, अभय कुमार, राकेश रंजन, मुकेश कुमार, सन्नी रैन, बबली मरांडी, प्रमिला देवी, प्रीति भास्कर सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जिला अधिवक्ता संघ ने उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक को सौंपा पत्र

नवप्रदेश/गिरिडीह। सिविल कोर्ट और वकालतखाना के बीच की सड़क को कोर्ट कार्याधि के दौरान यातायात मुक्त रखने की मांग को लेकर जिला अधिवक्ता संघ ने उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखा है। इस संबंध में आज अधिवक्ता संघ का एक प्रतिनिधिमंडल प्रखण जिला एवं सत्र न्यायाधीश मार्तंड प्रताप मिश्रा से मिला और उन्हें ज्ञापन सौंपा। संघ के महासचिव बुन्नु कंत की ओर से दिए गए पत्र में कहा गया है कि यह मार्ग अधिवक्ताओं, उनके लिपिकों और आम लोगों के लिए मुख्य रास्ता है। कोर्ट कार्याधि में यहाँ भारी भीड़ उमड़ती है, फिर भी सामान्य यातायात जारी रहने से जाम की स्थिति बन जाती है। पत्र में उल्लेख किया गया कि खासकर छोटी गाड़ियों हटोटेह्लू के बेतरतीब परिचालन से हमेशा दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। कई बार लोगों की जेबें भी कट जाती हैं। अधिवक्ताओं, महिलाओं व बुजुर्गों को मार्ग पार करने में भारी परेशानी होती है। संघ ने पूर्व में भी इस समस्या के समाधान के लिए अधिकारियों से अनुरोध किया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

उपायुक्त ने की विभिन्न परियोजनाओं के भू-अर्जन कार्य की समीक्षा बैठक



क्रियान्वयन के लिए भू-अर्जन प्रक्रिया का पारदर्शी एवं त्वरित निष्पादन अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि भूमि अधिग्रहण से जुड़े सभी मामलों में आपसी समन्वय बनाते हुए कार्य करें ताकि किसी भी परियोजना में अनावश्यक विलंब न हो। बैठक में विशेष रूप से बोडो हवाई अड्डा के विस्तार एवं उससे संबंधित आवश्यक प्रक्रियाओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। उपायुक्त ने संबंधित विभागों एवं अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि हवाई अड्डा विस्तार

परियोजना क्षेत्र के विकास एवं भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए महत्वपूर्ण है। उन्होंने भूमि चिन्हांकन, मापी, रैयतों से समन्वय तथा अन्य प्रशासनिक प्रक्रियाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने सभी अनुमंडल पदाधिकारियों एवं अंचलाधिकारियों को निर्देश दिया कि भू-अर्जन से संबंधित लॉबित मामलों की नियमित समीक्षा करें तथा जमीनी स्तर पर उत्पन्न समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें।

छह साल पहले मर चुके व्यक्ति से कराई जा रही मजदूरी, गांडेय के कमजोरी पंचायत का मामला

नवप्रदेश/गिरिडीह। गिरिडीह जिले के गांडेय प्रखंड से मनरेगा योजना में बड़े फजीवाड़े और भ्रष्टाचार का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि जिस व्यक्ति को मौत छह वर्ष पहले हो चुकी है, उसके नाम पर आज भी मनरेगा में मजदूरी दिखाकर भुगतान किया जा रहा है। मामला गांडेय प्रखंड के जमजोरी पंचायत अंतर्गत पन्निया गांव का बताया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार पन्निया गांव निवासी कमल मरांडी को मौत भेज 2020 में कोरोना काल के दौरान हो गई थी। परिजनों के मुताबिक कमल मरांडी के निधन के बाद भी सरकारी रिकॉर्ड में उन्हें 'जिंदा मजदूर' बनाकर मनरेगा योजना में लगातार काम कराया जा रहा

है। इतना ही नहीं, उनके नाम पर मजदूरी की राशि का भुगतान भी किया गया है। बताया जा रहा है कि वर्ष 2024-25 में कमल मरांडी की

- मनरेगा में मजदूरी दिखाकर भुगतान किया जा रहा है**
- अधिकारियों और संबंधित कर्मियों ने मृतक कमल मरांडी के नाम को ही मजदूर के रूप में दर्ज कर दिया**

रांची, शुक्रवार, 08 मई, 2026 05

एक नजर

बार एसोसिएशन चाडिल के प्रतिनिधि मंडल ने अधिवक्ता कन्यादान योजना के तहत सौंपा 50000रु का चेक

नवप्रदेश/चाडिल। अनुमंडल बार एसोसिएशन के द्वारा बुधवार को अधिवक्ता मृत्युंजय महतो के पंतुक् आवास दुबरजपुर जाकर उनके पुत्री के विवाह के अवसर पर अधिवक्ता कन्यादान योजना के तहत १50000 का चेक प्रदान किया गया। इस कार्य हेतु बार प्रतिनिधिमंडल का कहना है कि सरकार द्वारा निर्देश जारी किया गया है कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के तहत अभियान चलाया जा रहा है। इसी तरह बार एसोसिएशन के तरफ से अभियान का आरंभ किया गया, जो इस अभियान का लाभान्वित अधिवक्ता मृत्युंजय महतो के पुत्री से शुरूआत किया गया। प्रतिनिधि मंडल में बार एसोसिएशन के अध्यक्ष बी पी साहू, सचिव मेहन्त कुमार महतो,अधिवक्ता कमलेश कुमार सिंह,गुरुचरण महतो,कमल महतो,सुभाष महतो,अशोक झा,संजय महतो,मनोरथ मांडी,संजीव सिंह पातर,बिंदु महतो,जयदेव महतो,प्रेस प्रवक्ता शिवेश्वर महतो आदि उपस्थित थे।



महंगाई और रसोई गैस की बढ़ती कीमतों के खिलाफ झामुमो ने किया धरना-प्रदर्शन

नवप्रदेश/सरायकेला। बढ़ती महंगाई और रसोई गैस की कीमतों में लगातार हो रही वृद्धि के विरोध में गुरुवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला अध्यक्ष शुभेंद्र महतो के नेतृत्व में उपायुक्त कार्यालय के समक्ष एकदिवसीय धरना-प्रदर्शन किया गया। धरना प्रदर्शन में झामुमो केन्द्रीय कार्यकारिणी सदस्य गणेश चौधरी सरायकेला नगर पंचायत अध्यक्ष मनोज चौधरी के साथ बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे और केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की गई।धरना को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष शुभेंद्र महतो ने कहा कि लगातार बढ़ रही महंगाई ने आम जनता की कमर तोड़ दी है। घरेलू रसोई गैस सिलेंडर, खाद्य सामग्री तथा रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि से गरीब एवं मध्यम वर्गीय परिवार सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की गलत आर्थिक नीतियों का खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि स्थिति ऐसी बन गई है कि कई परिवारों को मजबूरी में फिर से चूल्हा और लकड़ी का सहारा लेना पड़ रहा है, जो चिंता का विषय है। झामुमो कार्यकर्ताओं ने मांग की कि रसोई गैस एवं आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में तत्काल कमी की जाए, ताकि आम जनता को राहत मिल सके। प्रदर्शन के अंत में प्रतिनिधिमंडल द्वारा उपायुक्त को ज्ञापन सौंपकर महंगाई पर नियंत्रण हेतु ठोस कदम उठाने की मांग की गई।

पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 679 पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार



नवप्रदेश/सरायकेला। सरायकेला-खरसावां जिले में नशीले पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी ने गुरुवार को कार्यालय कक्ष में आयोजित प्रेस वार्ता में इस कार्रवाई की जानकारी दी।एसपी ने बताया कि 6 मई को गुप्त सूचना मिली थी कि बूंगेगुड़ा स्थित इम्तियाज खान के मकान में ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री की जा रही है। सूचना के सत्यापन के बाद एक विशेष टीम गठित कर त्वरित छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से 679 पुड़िया ब्राउन शुगर बरामद की, जिसका कुल वजन 82.80 ग्राम है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी अनुमानित कीमत करीब 16 लाख 50 हजार रुपये बताई जा रही है। मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों महाराज अली, अंसार अली और शबनम प्रवीन को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, तीनों आरोपी उक्त मकान में किराए पर रह रहे थे। गिरफ्तार आरोपियों में महाराज अली के खिलाफ पूर्व से कई अपराधिक मामले दर्ज हैं और वह R.A.T थाना के एक मामले में वांछित भी था।पुलिस ने सभी आरोपियों की बायोमेट्रिक व फिंगरप्रिंटिंग प्रक्रिया पूरी कर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। साथ ही इस अवैध नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में छापेमारी जारी है।

लचर विद्युत व्यवस्था को लेकर आजसू ने सौंपा ज्ञापन

ईवागढ़। प्रखंड क्षेत्र के मिलन चौक आसपास क्षेत्रों में लचर विद्युत व्यवस्था को लेकर गुरुवार को आजसू ने सहायक अभियंता को ज्ञापन सौंपा। आजसू जिला वरीय उपाध्यक्ष भूतनाथ महतो उर्फ भोलानाथ महतो के नेतृत्व में मिलन चौक आसपास क्षेत्र में बिजली की लचर व्यवस्था को लेकर शिकायत की। भूतनाथ महतो ने बताया कि बीते 2 सप्ताह पूर्व से मिलन चौक,सितु, पिलीद, सोडो,सालुक्डीह, चोगा, आदारडीह सहित पूरे ईवागढ़ प्रखंड क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति पूरी तरह से ठप पड़ा हुआ है। उन्होंने बताया कि कई बार शिकायत की गई, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। विद्युत सहायक अभियंता को एक ज्ञापन सौंपा गया। आजसू नेताओं ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर सुधार नहीं हुआ तो वे लोग सड़क पर उतरकर आंदोलन करेंगे। मौके पर आजसू जिला उपाध्यक्ष शरत चंद महतो,आजसू प्रखंड अध्यक्ष गोपेश कुमार महतो,वरिष्ठ नेता कार्तिक कालिंदी उपस्थित थे।



है कि 21 फरवरी 2026 तक उनके नाम पर लगातार हाजिरी और मजदूरी भुगतान का रिकॉर्ड मौजूद है। संबंधित बैंक खाता बैंक ऑफ इंडिया, गांडेय शाखा का बताया जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यहां सिर्फ एक मामला नहीं, बल्कि मनरेगा में चल रहे बड़े भ्रष्टाचार की झलक है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पंचायत स्तर पर फर्जी हाजिरी बनाकर सरकारी राशि का बंदरबांट किया जा रहा है। लोगों ने पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। इस घटना ने मनरेगा योजना की पारदर्शिता और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब देखना होगा कि जिला प्रशासन इस मामले को कितनी गंभीरता से लेते हुए जांच और कार्रवाई करता है। बीडीओ निशात अंजुम ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी ।

संपादकीय



बच्चों की थाली में लापरवाही का जहर

बिहार के सहरसा जिले से आई यह खबर न केवल चौंकारने वाली है, बल्कि हमारे शिक्षा और पोषण तंत्र की गंभीर खामियों को उजागर करती है। महिषी प्रखंड के एक सरकारी विद्यालय में मिड-डे मील खाने के बाद 250 से अधिक बच्चों का बीमार पड़ जाना और एक बच्चे की थाली में मरे हुए सांप का मिलना किसी साधारण लापरवाही का मामला नहीं, बल्कि व्यवस्था की असफलता का स्पष्ट उदाहरण है। यह घटना उस योजना पर सवाल खड़े करती है, जिसका उद्देश्य बच्चों को पोषण और शिक्षा दोनों से जोड़ना है। मिड-डे मील योजना देश के करोड़ों बच्चों के लिए सिर्फ भोजन नहीं, बल्कि स्कूल आने की एक बड़ी प्रेरणा भी है। ऐसे में यदि इसी भोजन में जहर घुल जाए—चाहे वह लापरवाही से हो या निगरानी की कमी से—तो यह बच्चों के जीवन के साथ सीधा खिलवाड़ है। सहरसा की घटना ने यह दिखा दिया कि जमीनी स्तर पर इस योजना के कार्यान्वयन में कितनी गंभीर कमियाँ मौजूद हैं। बच्चों की अपसृवीति स्थिति की भयावहता को और स्पष्ट करती है। भोजन करने के कुछ ही देर बाद उल्टी, पेट दर्द और चक्कर की शिकायतें यह संकेत देती हैं कि भोजन की गुणवत्ता पूरी तरह से संदिग्ध थी। यदि समय रहते बच्चों को अस्पताल नहीं पहुंचाया जाता, तो यह घटना और भी गंभीर रूप ले सकती थी। राहत की बात यह है कि सभी बच्चे खतरे से बाहर बताए जा रहे हैं, लेकिन यह राहत अस्थायी है, क्योंकि असली सवाल अभी भी कायम हैं। प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की त्वरित सक्रियता सराहनीय जरूर है, परंतु यह केवल नुकसान के बाद की प्रतिक्रिया है। असली आवश्यकता है ऐसी घटनाओं को रोकने की। एफएमएल द्वारा सैंपल जांच और अधिकारियों द्वारा जांच के आश्वासन तब तक अधूरे हैं, जब तक जिम्मेदार लोगों की पहचान कर सख्त कार्रवाई नहीं की जाती। यह पहली बार नहीं है जब मिड-डे मील में गड़बड़ी सामने आई हो। समय-समय पर देश के विभिन्न हिस्सों से इस तरह की खबरें आती रही हैं। यह एक प्रणालीगत समस्या है, जिसमें भोजन की गुणवत्ता, भंडारण, स्वच्छता और निगरानी—सभी स्तरों पर सुधार की जरूरत है। स्थानीय प्रशासन, विद्यालय प्रबंधन समिति और रसोयियों की जवाबदेही तय किए बिना स्थिति में बदलाव संभव नहीं। सरकार को चाहिए कि मिड-डे मील योजना के संचालन में तकनीकी निगरानी, नियमित निरीक्षण और सख्त मानकों को लागू करें। साथ ही, अभिभावकों और स्थानीय समुदाय की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाए, ताकि पारदर्शिता बनी रहे। बच्चों के स्वास्थ्य से जुड़ा कोई भी समझौता स्वीकार्य नहीं हो सकता। सहरसा की यह घटना एक चेतावनी है—अगर अब भी सुधार के ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो भविष्य में ऐसी घटनाएं और भी भयावह रूप ले सकती हैं। बच्चों की थाली में पोषण होना चाहिए, न कि लापरवाही का जहर।

मुद्दा

मूडीज नहीं, कई तथ्य हैं मोदी सरकार में भारत की आर्थिक मजबूती के

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

दुनिया इस समय आर्थिक अस्थिरता, युद्धों, ऊर्जा संकट, महंगाई और वैश्विक व्यापारिक तनावों के दौर से गुजर रही है। कोविड महामारी के बाद अनेक विकसित और विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाएं अब भी पूरी तरह पटरी पर नहीं लौट सकी हैं। ऐसे चुनौतीपूर्ण समय में भारत का लगातार मजबूती के साथ आगे बढ़ना अपने आप में एक महत्वपूर्ण संकेत है। यही कारण है कि आज भारत को दुनिया की सबसे भरोसेमंद उपरती अर्थव्यवस्थाओं में गिना जा रहा है। हालिया रिपोर्ट में वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज ने भारत की आर्थिक स्थिरता की पुष्टि की है। कोविड-19, रूस-यूक्रेन युद्ध, वैश्विक महंगाई, अमेरिकी मौद्रिक सख्ती और बैंकिंग संकट जैसे कई झटकों के बावजूद भारत ने संतुलित आर्थिक प्रदर्शन किया है। हालाँकि, भारत की मजबूती को केवल एक रिपोर्ट तक सीमित करना उचित नहीं होगा। इसके पीछे कई ठोस आधार हैं, जो बीते वर्षों में मजबूत हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आर्थिक नीतियों में स्थिरता और दीर्घकालिक दृष्टि देखने को मिली है। भारतीय रिजर्व बैंक ने महंगाई और विकास के बीच संतुलन बनाए रखने में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। जहां कई देशों में महंगाई दोहरे अंक में पहुंची, वहीं भारत ने इसे नियंत्रित रखते में रखा, जिससे निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। भारत का विशाल विदेशी मुद्रा भंडार भी आर्थिक मजबूती का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। यह वैश्विक अस्थिरता के समय रुपये को स्थिर रखने और आयात आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद करता है। इसके साथ ही देश की मजबूत घरेलू मांग भी अर्थव्यवस्था को गति देती है। बढ़ता मध्यम वर्ग और उपभोक्ता खर्च भारत को वैश्विक मंदी के प्रभाव से काफी हद तक बचाता है। बैंकिंग क्षेत्र के आंकड़े भी सकारात्मक संकेत देते हैं। 15.9 प्रतिशत की क्रेडिट ग्रोथ यह दर्शाती है कि उद्योग, व्यापार और उपभोक्ता गतिविधियाँ तेजी से बढ़ रही हैं। सेवा क्षेत्र में 19 प्रतिशत की वृद्धि और माइक्रो व स्मॉल इंडस्ट्रीज में 33.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी यह साबित करती है कि आर्थिक विकास व्यापक हो रहा है। यह आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक मजबूत कदम है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी मजबूती दिखा रही है। कृषि क्षेत्र में 15.7 प्रतिशत की क्रेडिट वृद्धि यह संकेत देती है कि गांवों में निवेश और उत्पादन बढ़ रहा है। वहीं, कर संग्रह में वृद्धि आर्थिक गतिविधियों की स्थिरता और बेहतर अनुपालन को दर्शाती है। डिजिटल भुगतान और तकनीक आधारित प्रशासन ने पारदर्शिता को बढ़ाया है। व्यक्तिगत ऋणों में वृद्धि यह दर्शाती है कि आम नागरिकों का आर्थिक विश्वास मजबूत हुआ है। लोग निवेश और उपभोग के प्रति अधिक आसक्त हैं। स्पष्ट है कि भारत की आर्थिक मजबूती किसी एक एजेंसी की रिपोर्ट का परिणाम नहीं, बल्कि मजबूत नीतियों, स्थिर बैंकिंग प्रणाली, डिजिटल क्रांति, घरेलू मांग और जनविश्वास का संयुक्त प्रभाव है। यही कारण है कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भी भारत आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है और विश्व अर्थव्यवस्था में अपनी स्थिति लगातार सुदृढ़ कर रहा है।



विजय मनोहर तिवारी

बंगाल एक कठिन और जटिल राजनीतिक भूमि है। दशकों की बिगड़ी आदतें हैं, जो रक्त में समा गई हैं और इनका शुद्धिकरण सरल नहीं है। दो सी पार का यह परिणाम बेचैन बंगालियों की अनंत अपेक्षाओं का एक भारी-भरकम बोझ भी है, जो अब नए कंधों पर है। मगर असंभव को संभव बनाना भी केवल राजनीति से ही संभव है।



नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

सोमनाथ हमें याद दिलाता है कि जब कोई समाज अपनी आस्था, अपनी संस्कृति और अपनी एकता से जुड़ा रहता है, तब उसे लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता। आज भी हमारी सबसे बड़ी शक्ति यही साझा चेतना है, यही एकात्म भाव है। यही भावना हमें विभाजन से ऊपर उठकर राष्ट्रहित में साथ चलने की प्रेरणा देती है।
मैं सभी देशवासियों से आग्रह करता हूं कि इस पावन अवसर पर पवित्र सोमनाथ धाम की यात्रा करें और इसकी भव्यता के साक्षात दर्शन करें।



योगेश कुमार गोयल

वर्तमान समय में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की देशभर में 750 से अधिक शाखाएं मानवता की सेवा में जी-जान से जुटी हैं। रेडक्रॉस एक ऐसी स्वयंसेवी संस्था है, जो देश के किसी भी हिस्से में प्राकृतिक अथवा मानवीय आपदा के शिकार लोगों को बचाने व राहत पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है

जय सोमनाथ!

वर्ष 2026 की शुरुआत में मुझे सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में सहमिलित होने का सौभाग्य मिला। यह सोमनाथ मंदिर पर हुए पहले आक्रमण के एक हजार वर्ष बाद भी मंदिर के शाश्वत और अविनाशी होने का पर्व था। अब 11 मई को मुझे एक बार फिर सोमनाथ जाने का सुअवसर प्राप्त हो रहा है। इस बार यह यात्रा पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के लोकार्पण की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में है। मैं उस क्षण को फिर जीने जा रहा हूं जब भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद जी ने मंदिर का लोकार्पण किया था। उस दिन, सोमनाथ में विध्वंस से सृजन तक की यात्रा फिर से जीवंत होगी। छह महीनों के भीतर सोमनाथ के इतिहास से जुड़े इन दो अत्यंत महत्वपूर्ण पड़ावों का साक्ष्य बनना मेरे लिए बहुत सौभाग्य की बात है।

सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं, हमारी सभ्यता का अटूट संकल्प है। इसके सामने लहराता विशाल समुद्र अनंत काल की अनुभूति कराता है। इसकी लहरें हमें सिखाती हैं कि तुमचन चाहे कितने भी विकराल क्यों न हों, मनुष्य का साहस और आत्मबल हर बार फिर से उठ खड़ा होने में सक्षम है। तट से टकराती लहरें सदियों से यह उद्घोष कर रही हैं कि मानवीय चेतना को लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता है। हमारे प्राचीन शास्त्रों में लिखा है: प्रभासं च परिक्रम्य पृथिवीक्रमसंभवम्। अर्थात दिव्य प्रभास (सोमनाथ) की परिक्रमा पूरी पृथ्वी की परिक्रमा के समान है! जब लोग यहां दर्शन-पूजन के लिए आते हैं, तब उन्हें उस सभ्यता की अद्भुत निरंतरता का भी अनुभव होता है, जिसकी ज्योति कभी बुझाई नहीं जा सकी। कई साम्राज्य आए और गए, समय बदला और इतिहास ने देरों उतार-चढ़ाव देखे, फिर भी सोमनाथ हमारे हृदय में हमेशा बना रहा।

यह समय उन असंख्य महान विभूतियों के स्मरण का भी है, जो क्रूर आक्रांतों के सममुख अडिग रहे। लकुलीश और सोम शर्मा जैसे मनीषियों ने प्रभास को शैव दर्शन का महान केंद्र बनाया। चक्रवर्ती महाराज धारसेन चतुर्थ ने सदियों पहले वहां दूसरा मंदिर बनवाया था। समय की कटिण प्रतीक्षा के बीच भीम प्रथम, जयपाल और आनंदपाल जैसे शासकों ने आक्रमणों के विरुद्ध अपनी सभ्यता की ढाल बनाया। चक्रवर्ती महाराज धारसेन चतुर्थ ने सदियों पहले वहां दूसरा मंदिर बनवाया था। समय की कटिण प्रतीक्षा के बीच भीम प्रथम, जयपाल और आनंदपाल जैसे शासकों ने आक्रमणों के विरुद्ध अपनी सभ्यता की ढाल बनाकर मंदिर की रक्षा की थी। ऐसा माना जाता है कि महान राजा भोज ने भी इस पावन स्थल के पुनर्निर्माण में अपना अमूल्य योगदान दिया था।



कणदिव सोलंकी और जयसिंह सिद्धराज ने गुजरात की राजनीतिक और सांस्कृतिक शक्ति को पुनर्स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई। भाव बृहस्पति, कुमारपाल सोलंकी और पाशुपताचार्यों ने इस तीर्थ को आराधना और ज्ञान के केंद्र के रूप में स्थापित करने में अमूल्य योगदान दिया। विशालदेव वाघेला और जिपुरांतक ने इसकी बौद्धिक और आध्यात्मिक परंपराओं की रक्षा की। महिपाल चूड़ासमा और राव खंगार चूड़ासमा ने विध्वंस के बाद पूजा-पाठ की परंपरा को पुनर्जीवित किया। पुण्यक्षोक अहिल्याबाई होल्कर, जिनकी 300वीं जयंती मनायी जा रही है, उन्होंने सबसे चुनौतीपूर्ण समय में भी भक्ति की परंपरा को जीवंत रखा। बड़ौदा के गायकवाड़ों ने तीर्थयात्रियों के अधिकारों की रक्षा की। इसके साथ ही हमारी यह धरती वीर हमीरजी गोहिल, वीर वेगड़ाजी भील जैसे पराक्रमियों से धन्य हुई है। उनके साहस और बलिदान को आज भी याद किया जाता है।

1940 के दशक में स्वतंत्रता की भावना पूरे भारत में फैल रही थी। सरदार पटेल जैसे महान नेताओं के नेतृत्व में स्वतंत्र भारत की नींव रखी जा रही थी। ऐसे में एक बात जो उन्हें बहुत व्यथित करती थी, वह थी— सोमनाथ की दुर्दशा। 13 नवंबर 1947 को, दिवाली के समय, उन्होंने सोमनाथ के जर्जर अवशेषों के सामने खड़े होकर, समुद्र का जल हाथ में लेकर संकल्प लिया, इस (गुजराती) नववर्ष पर हमारा निश्चय है कि सोमनाथ का पुनर्निर्माण होगा। सौराष्ट्र के लोगों को इसके लिए हर तरह से अपना योगदान देना होगा। यह एक पावन कर्तव्य है, जिसमें हर किसी को भागीदारी निभानी होगी। उनके इस आह्वान ने सिर्फ गुजरात ही नहीं, बल्कि संपूर्ण भारतवर्ष को नए उत्साह से भर दिया।

संकट की घड़ी में दुनिया की संजीवनी है रेडक्रॉस



तड़प रहे थे। ऐसे घायलों की सहायता के लिए उन्होंने स्थायी समितियों के निर्माण की आवश्यकता को लेकर आवाज बुलंद की, जिसका असर भी दिखा। युद्ध में आहतों की स्थिति के सुधार के साधनों का अध्ययन करने के लिए उसके बाद एक आयोग का गठन किया गया। 1863 में जेनेवा में एक अंतरराष्ट्रीय बैठक में रेडक्रॉस के आधारभूत सिद्धांत निर्धारित किए गए तथा रेडक्रॉस आन्दोलन का विकास करते हुए आहत सैनिकों और युद्ध पीड़ितों की सहायता संचालित करने हेतु दुनियाभर के सभी देशों में राष्ट्रीय समितियाँ बनाने पर जोर दिया गया। नेपोलियन तृतीय के हस्तक्षेप के चलते अंतरराष्ट्रीय समिति स्विस फेडरल काउंसिल को 8 अगस्त 1864 को जेनेवा में सम्मेलन बुलाने के लिए राजी करने में सफल हुई, जिसमें 26 देशों के एकसं भयानक मंजर देखा था, जब पिकससमियों सहायता के आभाव में युद्धक्षेत्र में अनेक घायल सैनिक हृदयविदारक कष्टों से

दुर्भाग्यवश, सरदार पटेल अपने उस सपने को साकार होते नहीं देख सके, जिसके लिए उन्होंने स्वयं को समर्पित कर दिया था। इससे पहले कि जीर्णोद्धार के बाद सोमनाथ मंदिर भत्तों के लिए खुलता, उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया। इसके बावजूद, प्रभास पाटन की पावन धरती पर उनका प्रभाव निरंतर महसूस किया जाता रहा है। उनके विजन को के.एम. मुंशी ने आगे बढ़ाया, जिन्हें नवानगर के जामसाहेब का सर्थन मिला। 1951 में मंदिर का पुनर्निर्माण पूरा होने पर राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद को उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया गया। तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित नेहरू के विरोध के बावजूद, डॉ. प्रसाद ने समारोह में हिस्सा लेकर इसे ऐतिहासिक बना दिया।

मुझे अक्टूबर 2001 का वह समय आज भी अच्छे से याद है, जब मैंने मुख्यमंत्री के रूप में दायित्व संभाला था। 31 अक्टूबर 2001 को, सरदार पटेल की जयंती के अवसर पर गुजरात सरकार ने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण की 50वीं वर्षगांठ का भव्य आयोजन किया। इसी समय सरदार पटेल की 125वीं जयंती भी मनाई जा रही थी। इस कार्यक्रम में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी और तत्कालीन गृहमंत्री श्री लालकृष्ण आडवाणी जी की मौजूदगी ने इसे और भी गरिमापूर्ण बना दिया। 11 मई 1951 को अपने भाषण में डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने कहा था कि सोमनाथ मंदिर दुनिया को यह संदेश देता है कि अद्वितीय श्रद्धा और विश्वास को कभी नष्ट नहीं किया जा सकता। उन्होंने आशा व्यक्त की, कि यह मंदिर सदैव लोगों के हृदय में बसा रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि मंदिर के पुनर्निर्माण से सरदार पटेल का सपना साकार हुआ है। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि सरदार पटेल की भावनाओं के अनुरूप लोगों के जीवन में समृद्धि भी लानी होगी। इसको लेकर उनके संदेश अत्यंत प्रेरणादायी रहे हैं।

पिछले एक दशक से हम इसी मार्ग पर चल रहे हैं। विकास भी, विरासत भी के मंत्र से प्रेरित होकर सोमनाथ से काशी, कामाख्या से केदारनाथ, अयोध्या से उज्जैन और त्र्यंबकेश्वर से श्रीशैलम तक, हमने अपने आध्यात्मिक केंद्रों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया है। इसके साथ ही उनकी पारंपरिक पहचान को भी बनाए रखा है। आज बेहतर कनेक्टिविटी से ज्यादा से ज्यादा लोग वहां आ पा रहे हैं। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था

को बल मिल रहा है, आजीविका सुरक्षित हो रही है, साथ ही एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना और सशक्त हो रही है। सोमनाथ की रक्षा और इसके पुनर्निर्माण के लिए जिन्होंने अपना सर्वस्व बलिदान किया, उनका संघर्ष हम कभी नहीं भुला सकते। भारत के विभिन्न हिस्सों से आए लोगों ने इसकी भव्यता और दिव्यता को लौटाने में अपना अद्भुत योगदान दिया। उनकी ऐसी ही आस्था पूरी भारतवर्ष को लेकर भी थी। वे एकता की ऐसी अद्भुत डोर से बंधे थे, जिसे जमीनी सीमाओं में नहीं बांटा जा सकता। आज की विभाजित दुनिया में, सोमनाथ से मिलने वाली एकता की यह सीख पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है। सोमनाथ अपनी गौरवशाली परंपरा के साथ हमेशा खड़ा रहेगा, क्योंकि यह हमारी साझा सभ्यता का प्रतीक है। इसी गौरव को नमन करते हुए बलिदान देने वाले वीरों की स्मृति में हमें आने दानवीरों की उदारता को याद करते हुए अगले एक हजार दिनों तक यहां विशेष पूजा आयोजित की जाएगी। यह देखकर बहुत प्रसन्नता हो रही है कि बड़ी संख्या में लोग इस पुनित कार्य में अपना योगदान दे रहे हैं।

सोमनाथ हमें याद दिलाता है कि जब कोई समाज अपनी आस्था, अपनी संस्कृति और अपनी एकता से जुड़ा रहता है, तब उसे लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता। आज भी हमारी सबसे बड़ी शक्ति यही साझा चेतना है, यही एकात्म भाव है। यही भावना हमें विभाजन से ऊपर उठकर राष्ट्रहित में साथ चलने की प्रेरणा देती है। मैं सभी देशवासियों से आग्रह करता हूं कि इस पावन अवसर पर पवित्र सोमनाथ धाम की यात्रा करें और इसकी भव्यता के साक्षात दर्शन करें। जब आप सोमनाथ के तट पर खड़े होंगे, तब उसकी प्राचीन प्रतिध्वनियाँ को अपने भीतर महसूस करेंगे। वहां आपको केवल भक्ति का अनुभव नहीं होगा, बल्कि उस सभ्यतागत चेतना की सशक्त घड़कन भी सुनाई देगी, जो कभी रुकी नहीं, जिसकी तीव्रता कभी कम नहीं हुई। वहां आप भारत की उस अपराजित आत्मा का अनुभव करेंगे, जिसने हर आघात के बावजूद अपनी पहचान और अपनी संस्कृति को अधुण बनाए रखा। आप समझ पाएंगे कि इतने प्रयासों के बाद भी क्यों हमारी सभ्यता मिट नहीं सकी। वहां आपको फिर विजय के उस दर्शन का अनुभव होगा, जो सदियों से भारत की शक्ति बना हुआ है। मुझे पूरा विश्वास है कि आपके लिए यह एक अविस्मरणीय अनुभव होगा।

वाली इस संस्था ने अपने कर्मठ, समर्पित और कर्तव्यनिष्ठ स्वयंसेवकों के माध्यम से न केवल भारत में बल्कि दुनियाभर में अपनी अलग पहचान बनाई है। फिलहाल 190 से भी अधिक देशों में रेडक्रॉस संस्था सक्रिय है। भारत में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी अधिनियम के तहत वर्ष 1920 में रेडक्रॉस सोसायटी का गठन हुआ था और स्थापना के नौ वर्ष बाद इसकी सराहनीय गतिविधियों को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी ने भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी को मान्यता प्रदान की। भारत में रेडक्रॉस की स्थापना के शुरूआती वर्षों में देश में रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष भारत के उपराष्ट्रपति होते थे किन्तु वर्ष 1994 में रेडक्रॉस एक्ट में संशोधन करते हुए सोसायटी का पदेन अध्यक्ष महामहिम राष्ट्रपति को तथा सचिव केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री को बनाया गया। वर्तमान समय में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की देशभर में 750 से अधिक शाखाएं मानवता की सेवा में जी-जान से जुटी हैं। रेडक्रॉस एक ऐसी स्वयंसेवी संस्था है, जो देश के किसी भी हिस्से में प्राकृतिक अथवा मानवीय आपदा के शिकार लोगों को बचाने व राहत पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है और इसमें शामिल होने वाले कर्मठ स्वयंसेवकों की संख्या निरन्तर बढ़ रही है। विश्वभर में रेडक्रॉस के करीब एक करोड़ सत्तर लाख स्वयंसेवक हैं। यही कारण है कि रेडक्रॉस दिवस को अंतरराष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस भी कहा जाता है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

हर सत्ता अपना अंत स्वयं लिखती है



फुटपाथों पर घूमकर देखें तो एक स्वर कहेंगे— ये इसी लायक थे। केवल कोलकाता ही नहीं दूसरे शहरों में भी बंगाल विचित्र है। रेलवे स्टेशनों पर आपने कब्जे बाहर देखे होंगे मगर स्टेशन मास्टर के ऑफिस से सटकर दोनों तरफ प्लेटफ़ॉर्मों पर रेल के डिब्बों की तरफ खुलती दुकानों का बाजार देश में कहीं नहीं देखा होगा। रेलवे की जमीन पर प्लेटफ़ॉर्मों पर कब्जों का यह अनुरा प्रयोग केवल बंगाल में ही संभव हुआ। रेलमंत्री या मुख्यमंत्री बनने के बाद ममता बनर्जी के 'पेरिवर्तन' में यह कोई विषय ही नहीं था। नशे के फैलाव के कारण पंजाब को एक फ़िल्म में 'उड़ता हुआ पंजाब' कहा गया। बंगाल की कई यात्राओं के बाद मैंने बहुत दुख से इसे 'सड़ता हुआ बंगाल' कहा था। ये नतीजे बता रहे हैं कुछ उम्मीद बाकी है। वह पूरी तरह सड़ा नहीं

है। जनवरी में मेरा वेलूरु मठ और दक्षिणेश्वर जाना हुआ। पहले भी गया हूँ और कोलकाता के वे स्थान, जहाँ स्वामी विवेकानंद की स्मृतियाँ ताज़ा हैं। नेताजी सुभाष चंद्र बोस, बंकिमचंद्र, शरतचंद्र के अलावा बड़ा बाजार की पुरानी इमारतों के बीच ठाकुरबाड़ी, जहाँ गुरुदेव रबींद्रनाथ टैगोर के परिवार की अगमिता यादें हैं। हर बार मैं सोचता रहा कि ये विभूतियाँ अगर आज के बंगाल की हालत देखें तो क्या सोचेंगी? इतने गहरे सांस्कृतिक संस्कारों और संस्कारों वाले पुनर्जागरण के भूमि को यह कौन-सा अभिशाप जकड़े हुए है? बंकिम अपनी मातृभूमि का वंदन करने के लिए उस सरहद के किस तरफ मुंह करेंगे, जिसकी दूसरी ओर से आने वाले अपराधी घुसपैटिए इस तरफ के बंगाल का राजनीति शास्त्र,

अर्थशास्त्र और समाज शास्त्र उलटने में लगे हैं और उन्हें पोसने वाले वहाँ वंदनवार सजाए हुए हैं। उन्हें कोलकाता से ढाका तक देखा जा होगा कि डायरेक्ट एक्शन से रक्तर्जित उनकी मातृभूमि किस बुरे हाल से गुज़री है और रक्तबोज़ों की अमरबेल कहीं-कहीं लिपटी पड़ी है। अतीत में झोंकना हर समय सुखद नहीं होता मगर वह ब्लैक एंड व्हाइट में कुछ निष्कर्ष हमें जरूर देता है। कोई भी राजनीतिक दल सीटों की संख्या के हिसाब से सिमटना और सिकुड़ना बाद में शुरू करता है, पहले वह वैचारिक रूप से दिवालिया होता है। विचार ही राजनीति में महत्वपूर्ण है। आजादी के बाद का इतिहास हर दशक में हर राज्य में अपनी परतें उघाड़ता है। स्वाधीनता संघर्ष की खुमारों सत्ता में जितना टिकाए रख सकती थी, टिकाया मगर भारत के लिए कोई नया और मौलिक विचार उस दौर की राजनीति पैदा नहीं कर सकी। सत्ता ही विचार में थी, जो केंद्र के बाद राय्यों में भी परिवार केंद्रित होती गई। इसलिए आपातकाल तक आते-आते सब बिखरने लगा। विचारहीन राजनीति कोई सबक सीखने लायक भी नहीं बचती। बूढ़े दरख्त की सूखी शाख टूट हो जाती हैं। हरी कोपले वहाँ नहीं आती। रात के वक्त वहाँ बैठे उल्लू सिर घुमाकर ओंछें चमकाते हैं। आजादी के बाद हुए हजारों छोट-बड़े आंदोलनों को देखें। ऐसे आंदोलन जिन्होंने देश की राजनीति को स्थाई रूप से प्रभावित और

परिवर्तित किया। अयोध्या के राममंदिर आंदोलन को आप किस कसौटी पर रखेंगे? एक विचार है। कोलकाता से ढाका तक देखा जा होगा कि डायरेक्ट एक्शन से रक्तर्जित उनकी मातृभूमि किस बुरे हाल से गुज़री है और रक्तबोज़ों की अमरबेल कहीं-कहीं लिपटी पड़ी है। अतीत में झोंकना हर समय सुखद नहीं होता मगर वह ब्लैक एंड व्हाइट में कुछ निष्कर्ष हमें जरूर देता है। कोई भी राजनीतिक दल सीटों की संख्या के हिसाब से सिमटना और सिकुड़ना बाद में शुरू करता है, पहले वह वैचारिक रूप से दिवालिया होता है। विचार ही राजनीति में महत्वपूर्ण है। आजादी के बाद का इतिहास हर दशक में हर राज्य में अपनी परतें उघाड़ता है। स्वाधीनता संघर्ष की खुमारों सत्ता में जितना टिकाए रख सकती थी, टिकाया मगर भारत के लिए कोई नया और मौलिक विचार उस दौर की राजनीति पैदा नहीं कर सकी। सत्ता ही विचार में थी, जो केंद्र के बाद राय्यों में भी परिवार केंद्रित होती गई। इसलिए आपातकाल तक आते-आते सब बिखरने लगा। विचारहीन राजनीति कोई सबक सीखने लायक भी नहीं बचती। बूढ़े दरख्त की सूखी शाख टूट हो जाती हैं। हरी कोपले वहाँ नहीं आती। रात के वक्त वहाँ बैठे उल्लू सिर घुमाकर ओंछें चमकाते हैं। आजादी के बाद हुए हजारों छोट-बड़े आंदोलनों को देखें। ऐसे आंदोलन जिन्होंने देश की राजनीति को स्थाई रूप से प्रभावित और

परिवर्तित किया। अयोध्या के राममंदिर आंदोलन को आप किस कसौटी पर रखेंगे? एक विचार है। कोलकाता से ढाका तक देखा जा होगा कि डायरेक्ट एक्शन से रक्तर्जित उनकी मातृभूमि किस बुरे हाल से गुज़री है और रक्तबोज़ों की अमरबेल कहीं-कहीं लिपटी पड़ी है। अतीत में झोंकना हर समय सुखद नहीं होता मगर वह ब्लैक एंड व्हाइट में कुछ निष्कर्ष हमें जरूर देता है। कोई भी राजनीतिक दल सीटों की संख्या के हिसाब से सिमटना और सिकुड़ना बाद में शुरू करता है, पहले वह वैचारिक रूप से दिवालिया होता है। विचार ही राजनीति में महत्वपूर्ण है। आजादी के बाद का इतिहास हर दशक में हर राज्य में अपनी परतें उघाड़ता है। स्वाधीनता संघर्ष की खुमारों सत्ता में जितना टिकाए रख सकती थी, टिकाया मगर भारत के लिए कोई नया और मौलिक विचार उस दौर की राजनीति पैदा नहीं कर सकी। सत्ता ही विचार में थी, जो केंद्र के बाद राय्यों में भी परिवार केंद्रित होती गई। इसलिए आपातकाल तक आते-आते सब बिखरने लगा। विचारहीन राजनीति कोई सबक सीखने लायक भी नहीं बचती। बूढ़े दरख्त की सूखी शाख टूट हो जाती हैं। हरी कोपले वहाँ नहीं आती। रात के वक्त वहाँ बैठे उल्लू सिर घुमाकर ओंछें चमकाते हैं। आजादी के बाद हुए हजारों छोट-बड़े आंदोलनों को देखें। ऐसे आंदोलन जिन्होंने देश की राजनीति को स्थाई रूप से प्रभावित और

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

गैस सिलेंडर मूल्य वृद्धि के खिलाफ झामुमो का जोरदार प्रदर्शन महंगाई की मार से जनता ग्रस्त है और केंद्र सरकार मस्त है: सन्न्

नवप्रदेश/पलामू। बढ़ती महंगाई और गैस सिलेंडरों की कीमतों में हुई भारी बढ़ोतरी के विरोध में झारखंड मुक्ति मोर्चा पलामू जिला समिति ने बुधवार को समाहरणालय के समक्ष जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का नेतृत्व झामुमो के केन्द्रीय समिति सदस्य सह उपाध्यक्ष सन्न् सिद्दीकी ने किया। कार्यक्रम के तहत झामुमो नेता और कार्यकर्ता जिला कार्यालय से जुलूस की शकल में नारेबाजी करते हुए समाहरणालय पहुंचे, जहां केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया गया। इसके बाद पलामू उपायुक्त के माध्यम से राष्ट्रपति के



नाम ज्ञापन सौंपा गया। कार्यक्रम का संचालन जिला सचिव रंजन चंद्रवंशी ने किया। धरना को संबोधित करते हुए सन्न् सिद्दीकी ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि देश की जनता महंगाई से ग्रस्त है, लेकिन सत्ता में बैठी सरकार

जनता की पीड़ा सुनने के बजाय कॉरपोरेट घरानों को फायदा पहुंचाने में लगी हुई है। उन्होंने कहा कि गैस सिलेंडर की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि गरीब, मजदूर, रेहड़ी-ठेला चलाने वाले, छोटे दुकानदार और मध्यम वर्ग के लोगों पर सीधा हमला है। उन्होंने

कहा कि छोटे गैस सिलेंडर के दाम में 2261 और कमर्शियल सिलेंडर में 2993 की वृद्धि यह साबित करती है कि केंद्र सरकार को आम आदमी की रसोई और रोजी-रोटी की कोई चिंता नहीं है। एक तरफ बेरोजगारी चरम पर है, दूसरी तरफ महंगाई ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। सरकार जनता को राहत देने में विफल साबित हुई है,ह्हा। सिद्दीकी ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि गैस सिलेंडरों की बढ़ी हुई कीमतें जल्द वापस नहीं ली गईं, तो झामुमो सड़क से सदन तक आंदोलन को और तेज करेगा।

कार्यार्पालक अधिकारी सह अभियान के नोडल ने लोगों को दिया प्रशिक्षण

नवप्रदेश/छतरपुर। भारत सरकार द्वारा आयोजित भारत जनगणना 2027 की शुरुआत नगर पंचायत छतरपुर में उत्साहपूर्वक की गई। नगर पंचायत छतरपुर के प्रथम नागरिक एवं नगर अध्यक्ष अरविंद कुमार गुप्ता ने स्वयं ऑनलाइन स्व-गणना प्रक्रिया में भाग लेकर इसकी शुरुआत की। उन्होंने जनगणना पोर्टल पर पूछे गए सभी सवालों का उत्तर दर्ज कर नागरिकों को इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियान में भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर नगर अध्यक्ष ने नगरवासियों से अपील करते हुए कहा कि 1 मई से शुरू हुई स्व-गणना प्रक्रिया में अधिक से अधिक लोग भाग लें और देश के विकास में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि 16 मई से प्रणणक घर-घर जाकर नागरिकों से जानकारी एकत्र करेंगे तथा लगभग 34 प्रकार के सवाल पूछे जाएंगे, जिनका सही एवं स्पष्ट



उत्तर देना आवश्यक होगा। नगर अध्यक्ष ने कहा कि जनगणना देश की योजनाओं, संसाधनों और विकास कार्यों की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, इसलिए प्रत्येक नागरिक का सहयोग जरूरी है। मौके पर नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी और अभियान के नोडल अधिकारी फैजुर् रहमान ने भी उपस्थित लोगों को जनगणना पारदर्शिता के साथ करने का आह्वान किया। इस मौके पर नगर पंचायत के पार्षदागण, नगर प्रबंधक, 58 प्रणणक, 8 पर्यवेक्षक एवं नगर पंचायत के अन्य कर्मी उपस्थित थे।

खोए तीन मोबाइल बरामद, पुलिस ने मालिकों को सौंपा



नवप्रदेश/हरिहरगंज। थाना पुलिस ने क्षेत्र में खोए तीन मोबाइल फ़ोन को तकनीकी शाखा की मदद से बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को सौंप दिया। गुस्वार को एसआइ संतोष कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र से मोबाइल खोने की शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस ने तकनीकी जांच शुरू की, लगातार प्रयास के बाद तीनों मोबाइल फ़ोन को खोजकर बरामद कर लिया गया. बरामद मोबाइल को सरोज कुमार (पिता पुरा यादव, महसू, थाना अंबा, बिहार), मो. दुस्तीगर आलम (पिता मो. पीरवाहूद्दीन खलीफ़, निवासी महारजगंज) और आकाश कुमार (पिता स्व. सुनील साव, सतगांव, हरिहरगंज) को विधिवत सुपुर्द कर दिया गया. मोबाइल वापस मिलने पर सभी ने पुलिस के प्रति आभार जताया. इस अभियान में एसआइ सुनील झा, विनोद राय सहित अन्य पुलिसकर्मियों की अहम भूमिका रही. पुलिस की इस कार्रवाई से आम लोगों में भरोसा और मजबूत हुआ है.

हरिहरगंज में नॉनवेज बिरयानी जी होटल का उद्घाटन



नवप्रदेश/हरिहरगंज। शहर के मेन रोड एनएच-139 किनारे गुरुवार को नॉनवेज बिरयानी जी होटल का उद्घाटन नगर पंचायत के अध्यक्ष प्रतिनिधि सह समाजसेवी जानू चौधरी ने फीता काटकर किया. इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे। उद्घाटन के मौके पर जानू चौधरी ने कहा कि हरिहरगंज में स्वादिष्ट और बेहतर नॉनवेज व्यंजनों की बढ़ती मांग को देखते हुए यह होटल लोगों के लिए खास साबित होगा. उन्होंने कहा कि यहां ग्राहकों को बेहतर गुणवत्ता और स्वाद के साथ विभिन्न प्रकार के नॉनवेज व्यंजन उपलब्ध कराए

जाएंगे। होटल के प्रोपराइटर वालिद खान उर्फ आदिल खान ने बताया कि होटल में चिकन फ्राई, सीक कबाब, चिकन कोरमा, लच्छा पराठा व स्पेशल चिकन बिरयानी सहित कई स्वादिष्ट व्यंजन तैयार किए जाएंगे. उन्होंने कहा कि होटल खोलने का उद्देश्य ग्राहकों को बेहतरीन स्वाद उपलब्ध कराना है. उद्घाटन समारोह में मुजफ्फर खान, दस्तगिर आलम, मोहम्मद अब्दुल, छोटू कुमार, रवि गुप्ता, एनामुल हक अंसारी, मो. अरमान, गुड्डू खान, राजू शर्मा, अनिल खान व मनीष कुमार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

सना आफरीन ने रचा इतिहास, झारखंड इंटर साइंस में हासिल किया तीसरा स्थान

नवप्रदेश/सतबरवा/पलामू। पलामू जिले के सतबरवा प्रखंड में आज खुशी का माहौल है। सर्वोदय प्लस टू उच्च विद्यालय की मेधावी छात्रा सना आफरीन ने इंटरमीडिएट विज्ञान (शैल्लूरी) की परीक्षा में 481 अंक प्राप्त कर पूरे झारखंड राज्य में तीसरा स्थान हासिल किया है। सना आफरीन, पिता मो. रजिउद्दीन खान की पुत्री हैं, जिनकी इस अभूतपूर्व सफलता ने सतबरवा के साथ-साथ पूरे पलामू प्रमंडल का मान बढ़ाया है। इस गौरवशाली उपलब्धि पर सना के आवास पर बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। इस मौके पर मुख्य रूप से उपस्थित अवधेश सिंह चेतो (प्रदेश उपाध्यक्ष, भाजपा एसटी मोर्चा एवं सदस्य राज्य स्तरीय दिशा समिति) ने अंग वस्त्र देते हुए एवं मिठाई खिलाते हुए कहा, यह हमारे सतबरवा, पलामू और पूरे राज्य के लिए गर्व की बात है। सना जैसी बेटीयों समाज के लिए



प्रेरणा है?। सामाजिक कार्यकर्ता आशीष सिन्हा ने सना को शाल, पेन और डायरी भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि जैक (खअउ) द्वारा आयोजित इस परीक्षा में सना का स्टेट टॉपर बनना पूरे प्रखंड के लिए गौरव का विषय है। वहीं, आफताब आलम (छोटे सर) ने जानकारी दी कि सना ने मैट्रिक में भी जिला टॉपर बनकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया था। उन्होंने कहा, परिश्रम कभी जाया नहीं होती, यह बच्ची भविष्य में और बड़े मुकाम हासिल करेगी। सफलता के इस अवसर पर समाजसेवी अफजल अंसारी

जिला परिषद प्रतिनिधि सह विधायक प्रतिनिधि अजय उरांव, पप्पू सिंह, बार्द सदस्य अताउल्लाह, मोहम्मद मुस्ताक, मोहम्मद सैफुल्लाह, मोहम्मद अनीस, परवेज खलीफा और सोनू खान सहित कई जनप्रतिनिधियों ने सना को अंग वस्त्र, बुके और मिठाई खिलाकर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। **परिवार में खुशी की लहर** सना की इस सफलता पर उनके पिता रजिउद्दीन खान, माता जरीना खातून और दादा (सेवानिवृत्त शिक्षक) मोहिउद्दीन खान ने अपनी पोती की मेहनत पर गर्व जताया।

शहरी स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के सशक्तिकरण को लेकर महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

नवप्रदेश/हुसैनाबाद /पलामू। हुसैनाबाद नगर पंचायत के अध्यक्ष अजय कुमार भारती के नेतृत्व में शहरी स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में बैंक मैनेजर एवं नगर प्रबंधक के साथ विस्तृत चर्चा करते हुए समूह की महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने तथा उन्हें वित्तीय सहयोग उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया। बैठक के दौरान अध्यक्ष श्री भारती ने बैंक अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी पात्र लाभुक महिलाओं को समयबद्ध तरीके से ऋण उपलब्ध कराया जाए, ताकि वे अपने-अपने व्यवसाय एवं स्वरोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भर बन सकें। उन्होंने कहा कि महिलाओं की आर्थिक मजबूती ही समाज के समग्र विकास की आधारशिला है और नगर पंचायत महिलाओं को



स्वावलंबी बनाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। इस अवसर पर स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने भी अपनी समस्याओं एवं सुझावों को बैठक में रखा। अध्यक्ष ने उनकी बातों को गंभीरता से सुनते हुए समाधान का आश्वासन दिया। बैठक में सीआरपी अनुराधा, रीता, लता

सहित कई समूहों की महिलाएं उपस्थित रहीं।नगर पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है तथा महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत कर आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार किया जाएगा।

जेल में लगा जागरूकता कैम्प।नालसा स्पूद्धा योजना के तहत दी गई जानकारी

नवप्रदेश/मेदिनीनगर।

पलामू के प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश व जिला विधिक सेवा प्राधिकर के अध्यक्ष श्री राम शर्मा व सचिव राकेश रंजन के निर्देश पर गुस्वार को केंद्रीय कारा मेदिनीनगर में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर बन्दि्यों को कानूनी जानकारी दी गई। मौके पर लीगल ड्ड डिफेंस काउंसिल के असिस्टेंट नीतू सिंह ने नालसा स्पूद्धा योजना के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि यह योजना म विचाराधीन कैदियों व उनके आश्रितों को कानूनी व सामाजिक सहायता प्रदान करने के लिए है। यह कैदियों विचाराधीन कैदियों व उनके आश्रितों को कानूनी सहायता परामर्श व पुनर्वास प्रदान करती है।उन्होंने कहा कि इस योजना का उद्देश्य ही जेल में बंद लोगों के परिवार को सहारा देना जिन्हें अक्सर नजर अंदाज कर दिया जाता हैं।उन्हें समग्र देखभाल कानूनी व मनोवैज्ञानिक आर्थिक सहायता प्रदान करता हैं। इसके तहत मुफ्त कानूनी सहायता जमानत या पैरोल में मदद करने व परामर्श व मानसिक स्वास्थ्य सहायता देने अश्रितों को शैक्षिक व आर्थिक सहायता के लिए कल्याणकारी योजनाओं से, जोड़ने जेल से रिहा होने के बाद पुनर्वास व समाज में बंद करने का प्रावधान हैं।इस मौके पर जेल पीएलवी समेत दर्जनों नवदी उपस्थित थे।

एक नजर

इंटर साइंस टॉपर स्टूडेंट्स हुए सम्मानित, संस्थान में जश्न का माहौल



नवप्रदेश/हरिहरगंज। इंटर साइंस परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को शहर के थाना रोड स्थित सीता हाई स्कूल के पीछे संचालित इनोवेटिव एंड स्मार्ट क्लासेस में गुस्वार को सम्मानित किया गया. कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक इंजीनियर वाल्टर सर ने मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया. संस्थान की छात्रा कुशवाहा प्रिया कुमारी ने 91 प्रतिशत अंक लाकर सीता उता उच्च विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया. वहीं अभिषेक (89), रिजवान परवीन (85.2), सुहानी (84.6), अकिंत सिंह व कोमल कुमारी (80-80), आंचल कुमारी (79.2), अभिषेक (79), खुशबू (78.6), निक्की (78), गरिमा (74.2), मनजीती (72.2) एवं रंजीत (70) प्रतिशत अंक प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया. वहीं इंटर आर्ट्स में शायक शकील ने 88.8 प्रतिशत अंक लाकर जिला टॉप टेन में छठा स्थान हासिल किया. छात्र-छात्राओं ने अपनी सफलता का श्रेय शिक्षकों के मागदर्शन को दिया. मौके पर निदेशक इंजीनियर वाल्टर सर ने कहा कि संस्थान के सभी विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए हैं और वर्ष 2017 से लगातार बेहतर परिणाम दे रहे हैं. उन्होंने बताया कि यहां के कई छात्र नीट समेत विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता हासिल कर चुके हैं. कार्यक्रम में इंजीनियर संजीत कुमार, अकिंत, प्रिया जायसवाल, पायल कुशवाहा व निधि पाठक सहित अन्य शिक्षक मौजूद थे.

इंटर साइंस में नंदनी बर्नी प्रखंड टॉपर, 92.8% अंक से बढ़ाया हरिहरगंज का मान



नवप्रदेश/हरिहरगंज। शहर के मेन बाजार इंडा चौक निवासी व्यवसायी अमित कुमार उर्फ रामजी प्रसाद व अंजली देवी की पुत्री नंदनी कुमारी ने इंटर साइंस परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 92.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रखंड टॉपर बनने का गौरव हासिल किया है. नंदनी ने कुल 464 अंक लाकर न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है. उनकी सफलता से हरिहरगंज में खुशी का माहौल है. नंदनी कुमारी ने बताया कि उनकी प्रारंभिक शिक्षा विक्टोरिया मेमोरियल पब्लिक स्कूल से हुई है, जबकि वर्तमान में वह रांची स्थित उत्तुलॉइन इंटर कॉलेज की छात्रा हैं. उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, शिक्षकों तथा बहन जान्वी कुमारी को दिया. नंदनी ने कहा कि भविष्य में वह डेंटा साइंटिस्ट बनकर देश के तकनीकी क्षेत्र में योगदान देना चाहती हैं. उल्लेखनीय है कि नंदनी ने मैट्रिक परीक्षा में भी 92.2 प्रतिशत अंक प्राप्त किए थे. गुस्वार को उनकी इस उपलब्धि पर विक्टोरिया मेमोरियल पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर अजय कुमार सिंह सहित कई लोग उनके घर पहुंचे और मिठाई खिलाकर उज्ज्वल भविष्य की शुभकमनाएं दी दीं.

छतरपुर में बाल विवाह की कोशिश नाकाम, प्रशासन ने समय रहते रोका विवाह

नवप्रदेश/छतरपुर/पलामू। छतरपुर

प्रखंड अंतर्गत हुलसम पंचायत के ग्राम पाटादोहर (मंडौली) में गुस्वार को एक बाल विवाह कराए जाने की सूचना पर प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए विवाह को रूकवा दिया।



प्राप्त जानकारी के अनुसार आज दिनांक 07 मई 2026 को बाल विवाह की सूचना मिलने पर प्रखंड विकास पदाधिकारी (इअह) आशीष कुमार साहू एवं छतरपुर पुलिस की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। जांच के दौरान आधार कार्ड के अनुसार लड़का की उम्र लगभग 13 वर्ष 7 महीना एवं लड़की की उम्र लगभग 13 वर्ष पाई गई। प्रशासन द्वारा दोनों नाबालिग बच्चों के साथ लड़की के माता-पिता को आगे की कार्रवाई के लिए जिला बाल संरक्षण कार्यालय के सुपुर्द कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि बाल विवाह कानूनन अपराध है तथा इससे बच्चों के भविष्य, शिक्षा और स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ता है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि कहीं भी बाल विवाह की सूचना मिलने पर तुरंत प्रशासन या पुलिस को सूचित करें, ताकि समय रहते ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

सफाईकर्मियों का सम्मान, गर्मी से बचाव को बांटी पानी बोतल व गमछा

नवप्रदेश/हरिहरगंज। हरिगंज

नगर पंचायत परिसर में गुस्वार को सफाईकर्मियों के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किया गया.



कार्यक्रम में नगर पंचायत अध्यक्ष कुमारी शीला चौधरी, उपाध्यक्ष सुशील कुमार रवि एवं सिटी मैनेजर नजीबुल्लाह अंसारी ने सफाईकर्मियों के बीच पानी बोतल व गमछा का वितरण किया. मौके पर अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व सिटी मैनेजर ने कहा कि भीषण गर्मी में सफाईकर्मों लगातार मेहनत कर नगर क्षेत्र को स्वच्छ रखने का कार्य करते हैं. उनकी सुविधा व सम्मान को ध्यान में रखते हुए उन्हें पानी बोतल एवं गमछा उपलब्ध कराया गया है। कार्यक्रम में नगर पंचायत के लगभग 40 सफाईकर्मियों को सामग्री दी गयी. इनमें ललन डोग, मांडी डोग, सहेंद्र भुशुआ, समुदी देवी, गीत देवी, कलावती व यशवंत सहित अन्य शामिल थे. इस अवसर पर सामुदायिक संगठनकर्ता विवित्रा कुमारी, जेड कुलदीप कुमार, समाजसेवी जानू चौधरी, बार्द पाण्डे प्रतिनिधि अनुज कुमार, श्याम पासवान, यशवंत कुमार, भोला गुप्ता एवं पप्पू चौधरी समेत कई लोग मौजूद थे.

इंटर आर्ट्स में शायका ने जिला में पाया छठा स्थान, बढ़ाया हरिहरगंज का मान

नवप्रदेश/हरिहरगंज।

पलामू जिले के हरिहरगंज स्थित सीता टेन प्लस टू उच्च विद्यालय की छात्रा शायका शक्कील ने इंटर आर्ट्स परीक्षा में 444

अंक (88.8 प्रतिशत) प्राप्त कर जिला में छठा स्थान हासिल किया है. उसकी इस सफलता से विद्यालय व क्षेत्र में खुशी का माहौल है. शायका नगर पंचायत के बंजारी मोहल्ला निवासी शिक्षक शक्कील अहमद एवं गृष्णी मौजिबा अख्तर की पुत्री हैं. शायका ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, अभिभावकों एवं विद्यालय के शिक्षकों को दिया. उसने बताया कि वह प्रतिदिन छह से आठ घंटे नियमित पढ़ाई करती थी. उसका लक्ष्य यूपीएससी परीक्षा उत्तीर्ण कर देश सेवा करना है. वहीं इंटरमीडिएट साइंस परीक्षा में विद्यालय की छात्रा प्रिया कुमारी ने 455 अंक लाकर स्कूल टॉपर बनने का गौरव हासिल किया. जबकि आर्यनराज ने 448 एवं अभिषेक कुमार ने 445 अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया. आर्यनराज समाजसेवी रॉबर्ट गुप्ता के पुत्र हैं तथा वह जेईई एडवांस 2026 परीक्षा के लिए एवालिफाई भी कर चुके हैं. विद्यालय के प्रधानाध्यापक अजय प्रसाद राय एवं शिक्षक डॉ. राजकुमार ने कहा कि शायका शुरू से ही मेधावी छात्रा रही है. जिला के टॉप-10 में स्थान प्राप्त कर उसने विद्यालय का गौरव बढ़ाया है. मौके पर मो. अबूशाद, वसीम अख्तर, कोसर आलम समेत कई अभिभावक मौजूद थे.

तीरंदाजी विश्व कप स्टेज-2: भारत ने दक्षिण कोरिया को हराकर महिला रिकर्व टीम फाइनल में बनाई जगह

शंघाई। भारत के लिए तीरंदाजी विश्व कप स्टेज-2 में गुरुवार का दिन मिला-जुला रहा। भारतीय महिला रिकर्व टीम ने रिकॉर्ड 10 बार की ओलंपिक चैंपियन दक्षिण कोरिया को हराकर देश के लिए पहला पदक सुनिश्चित किया, जबकि पुरुष टीम को बांग्लादेश के खिलाफ पहले ही दौर में निराशाजनक हार का सामना करना पड़ा। दीपिका कुमारी, अंकिता भगत और युवा खिलाड़ी कुमकुम मोहोड की भारतीय महिला टीम ने सेमीफाइनल में नई कोरियाई टीम को 5-1 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। अब भारत का सामना रविवार को स्वर्ण पदक मुकाबले में दूसरी वरीयता प्राप्त चीन से होगा। वहीं पुरुष रिकर्व टीम के लिए दिन बेहद खराब रहा। अनुभवी तरुणदीप राय, धीरज बोम्बदेवरा और यशदीप भोगे की तिकड़ी बांग्लादेश के खिलाफ एक भी सेट जीतने में नाकाम रही और 2-6 से हारकर बाहर हो गई।

हालांकि भारतीय महिला टीम ने पूरे दिन शानदार संयम दिखाया और लगातार तीन मुकाबले जीतकर फाइनल में जगह बनाई। सेमीफाइनल में चौथी वरीयता प्राप्त भारतीय टीम ने जोरदार शुरूआत की। टीम ने छह तीरों में चार बार 10 अंक हासिल किए और सिर्फ दो अंक गंवाते हुए पहला सेट 58 अंकों के साथ अपने नाम किया। कोरियाई टीम दबाव में नजर आई और एक 8 लगाने के कारण सिर्फ 55 अंक बना सकी। दूसरे सेट में भारत ने एक 8 लगाया, लेकिन फिर भी मुकाबला 56-56 से बराबरी पर समाप्त हुआ और भारत ने 3-1 की बढ़त बना ली। मैच जीतने के लिए सिर्फ दो अंकों की जरूरत होने पर भारतीय टीम ने तीसरे सेट में फिर 58 अंक बनाए, जबकि कोरिया दबाव में सिर्फ 56 अंक ही बना सका। इसके साथ ही भारत ने यादगार जीत दर्ज करते हुए सिंधे सेटों में मुकाबला अपने नाम कर लिया।

नई दिल्ली। केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने राष्ट्रीय खेल महासंघ सम्मेलन 2026 को भारत की आगामी वैश्विक खेल प्रतिযোগिताओं की तैयारी की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन एशियाई खेल 2026, राष्ट्रमंडल खेल 2026 और लॉस एंजलिस ओलंपिक 2028 की तैयारियों को मजबूत करने की दिशा में एक समन्वित कदम है। डॉ. मांडविया ने गुरुवार को कहा, ह्णराष्ट्रीय खेल महासंघ सम्मेलन भारत की आगामी वैश्विक खेल प्रतियोगिताओं की तैयारी की दिशा में एक समन्वित कदम है। भारत को खेल महाशक्ति बनाने के लिए दीर्घकालिक योजना, वैज्ञानिक प्रशिक्षण, मजबूत खेल अवसरंचना और खिलाड़ियों को निरंतर सहयोग देना आवश्यक है। उन्होंने खिलाड़ियों, महासंघों और सरकार के बीच बेहतर तालमेल



की जरूरत पर जोर देते हुए कहा, भारत का खेल भविष्य खिलाड़ियों, महासंघों और सरकारों के बीच मजबूत समन्वय पर निर्भर करता है। खेल मंत्री ने महासंघों में पारदर्शिता और खिलाड़ी-केंद्रित प्रशासन को प्राथमिकता देने की बात कही। उन्होंने कहा, हर महासंघ का मुख्य फोकस खिलाड़ी कल्याण

और खिलाड़ी-केंद्रित प्रशासन होना चाहिए। पारदर्शिता, समय पर चुनाव, जवाबदेही और मजबूत संस्थागत व्यवस्था से ही भारतीय खेल व्यवस्था मजबूत होगी। डॉ. मांडविया ने भारतीय खेल व्यवस्था से डोपिंग खत्म करने को लेकर सख्त संदेश देते हुए कहा,ह्णभारतीय खेल पारिस्थितिकी तंत्र से डोपिंग को खत्म करने के

लिए सामूहिक जिम्मेदारी और सख्त कार्रवाई की आवश्यकता है।

उन्होंने महासंघों, कोचों और स्पोर्ट्स टाफ के स्वच्छ एवं पारदर्शी खेल संस्कृति विकसित करने में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार हाथेलो इंडियाबू, ह्णफिट इंडिया मूवमेंटबू और

आगामी ह्णखेलो भारत मिशनबू के माध्यम से देश में खेल संस्कृति को मजबूत करने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने वैज्ञानिक प्रशिक्षण, निजी क्षेत्र की भागीदारी, खेल लीग, अकादमियों और प्रशासनिक सुधारों को भारत की भविष्य की खेल सफलता का आधार बताया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार हाथेलो इंडिया, फिट इंडिया मूवमेंट और आगामी ह्णखेलो भारत मिशन जैसी योजनाओं के माध्यम से देश के खेल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत कर रही है। इसके साथ ही वैज्ञानिक प्रशिक्षण, निजी क्षेत्र की भागीदारी, खेल लीग, अकादमियों और प्रशासनिक सुधारों पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सम्मेलन के दौरान राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम 2025 के

नियम और सुधार दिशा-निर्देश पुस्तिका का भी औपचारिक विमोचन किया गया। केंद्रीय राज्य मंत्री रक्षा खडसे ने कहा कि भारत की आगामी एशियाई खेल, राष्ट्रमंडल खेल और लॉस एंजलिस ओलंपिक 2028 की यात्रा प्रदर्शन, विज्ञान आधारित निर्माण और मजबूत महासंघों के दम पर आगे बढ़ेगी। खेल सचिव हरि रंजन राव ने कहा कि बड़े सपने देखने वाला देश उससे भी बड़ी तैयारी करता है और आज की चर्चाएँ भारत के 2036 के खेल भविष्य को आकार देंगी। सम्मेलन में खेल उपकरण निर्माण को बढ़ावा देने, वैज्ञानिक फिटनेस प्रोटोकॉल, एंटी-डोपिंग कानूनों को मजबूत करने, राष्ट्रीय खेल महासंघों में तकनीकी सुधार, वैश्विक खेल संगठनों में भारत की भागीदारी बढ़ाने और अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी जैसे विषयों पर भी विस्तार से चर्चा हुई।

सिगेमेन एंड कंपनी शतरंज टूर्नामेंट : अर्जुन एरिगेसी फाइनल राउंड से पहले शीर्ष पर, मेग्नस कार्लसन संयुक्त दूसरे स्थान पर



माल्मो। भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी ने बुधवार को सिमेन एंड कंपनी शतरंज टूर्नामेंट 2026 के छठे दौर में झू जिनेर को हराकर अंक तालिका में एकल बढ़त हासिल कर ली है। कड़े मुकाबले में झू जिनेर ने मजबूत बचाव किया, लेकिन अर्जुन ने 67 चालों तक चले एंडगेम में जीत दर्ज कर ली। छह दौर के बाद अर्जुन 4.5 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर पहुंच गए हैं। वहीं, यागिज कान एर्दोगमूस और मेग्नस कार्लसन 4-4 अंकों के साथ संयुक्त दूसरे स्थान पर हैं। अर्जुन एरिगेसी टूर्नामेंट में अब तक अपराजित रहने वाले दो खिलाड़ियों में शामिल हैं। दूसरे खिलाड़ी नोडिरबेक अब्दुसतोरोव हैं। पूर्व विश्व चैंपियन मेग्नस कार्लसन ने एंडी वुडवर्ड के खिलाफ किंग्स इंडियन ओपनिंग चुनी, जिससे मुकाबला काफी आक्रामक और रोमांचक बन गया। अंततः कार्लसन ने जीत दर्ज की। अब अंतिम दौर में उनका सामना यागिज कान एर्दोगमूस से होगा, जहां दोनों खिलाड़ियों के लिए जीत बेहद जरूरी मानी जा रही है। यह दोनों के बीच पहला क्लासिकल मुकाबला भी होगा। वहीं, अर्जुन एरिगेसी अंतिम दौर में एंडी वुडवर्ड के खिलाफ खेलेंगे। भारतीय ग्रैंडमास्टर के पास खिताब जीतने का शानदार मौका है। इस बीच, टूर्नामेंट में पहले कार्लसन को हराने वाले जोर्डन वान फोरेस्ट निस्स ग्रैंडेलियस के खिलाफ झू खेलने के बाद खिताब की वौड़ से बाहर हो गए।

पाकिस्तान दौरे पर जाएगी ऑस्ट्रेलियाई टीम, खेलेगी तीन वनडे मैचों की सीरीज

इस्लामाबाद। ऑस्ट्रेलिया की क्रिकेट टीम पाकिस्तान दौरे पर जाएगी, जहां दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली जाएगी। सीरीज का पहला मुकाबला 30 मई को रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अनुसार ऑस्ट्रेलियाई टीम 23 मई को इस्लामाबाद पहुंचेगी। सीरीज का दूसरा और तीसरा वनडे मुकाबला क्रमशः 2 जून और 4 जून को लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में आयोजित होगा।

ऑस्ट्रेलिया ने इसी साल जनवरी में पाकिस्तान का दौरा किया था, जहां दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की



टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज खेली गई थी। इसके अलावा ऑस्ट्रेलियाई टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के अपने सभी ग्रुप मुकाबले भी पाकिस्तान में खेले थे, हालांकि इनमें से दो मैच बारिश के कारण धुल गए थे। इस वनडे सीरीज में ऑस्ट्रेलिया के कई वरिष्ठ खिलाड़ियों के नहीं खेलने की संभावना है। कप्तान पैट कमिंस समेत कुछ खिलाड़ी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में व्यस्त रहेंगे, क्योंकि यह सीरीज

आईपीएल के अंतिम चरण से टकरा रही है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने स्पष्ट किया है कि आईपीएल में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों को अपने फ्रेंचाइजी अनुबंध पूरे करने की अनुमति दी जाएगी।

भारत के खिलाफ पिछले साल अक्टूबर में घरेलू वनडे सीरीज खेलने के बाद यह ऑस्ट्रेलिया की पहली वनडे सीरीज होगी। पाकिस्तान दौरे के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम 9 जून से बांग्लादेश दौरे पर जाएगी, जहां वह सभी प्रारूपों की

सीरीज खेलेगी।

वहीं, पाकिस्तान टीम हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज 2-1 से हार चुकी है। पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) समाप्त होने के बाद टीम दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए फिर से बांग्लादेश दौरे पर जाएगी।

ऑस्ट्रेलिया का पाकिस्तान दौरा -कार्यक्रम:

30 मई - पहला वनडे -रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम, रावलपिंडी
2 जून - दूसरा वनडे - गद्दाफी स्टेडियम, लाहौर
4 जून - तीसरा वनडे - गद्दाफी स्टेडियम, लाहौर

स्पिन गेंदबाजी कोच साईराज बहुतुले बोले मजबूत होकर वापसी करेगी पंजाब किंग्स

हैदराबाद। इंडियन प्रीमियर लीग में पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) ने सगराइनस हैदराबाद (एसआरएच) के खिलाफ हार के बावजूद अंक तालिका में अपनी मजबूत स्थिति बनाए रखी है। टीम फिलहाल 13 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर मौजूद है। हालांकि, हैदराबाद ने इस मुकाबले में 33 रन से जीत दर्ज की, लेकिन पंजाब के लिए युवा ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज कूपर कॉर्नॉली का प्रदर्शन बड़ी संकायत्वक खबर बनकर सामने आया। राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में 236 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब किंग्स की शुरूआत खराब रही, लेकिन कूपर कॉर्नॉली ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 59 रेंडों में 107 रन बनाए। अपनी पारी में उन्होंने सात चौके और आठ छक्के लगाए। इस शतक के साथ वह आईपीएल इतिहास में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाले विदेशी

खिलाड़ी बन गए। उन्होंने किंवंटन डिक्कंस का एक दशक पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। कॉर्नॉली ने यह उपलब्धि महज 22 वर्ष की उम्र में हासिल की। कॉर्नॉली की पारी पर स्पिन गेंदबाजी कोच साईराज बहुतुले ने एक आधिकारिक बयान में कहा, ह्णह बेहद सकारात्मक खिसाईराज बहुतुलेलाड़ी है और उमें शानदार क्षमता है। उनका स्वभाव शांत है और यह पूरी तरह टीम के खिलाड़ी है। इतनी कम उम्र में भारत के अलग-अलग मैदानों और पिचों के अनुसार खुद को इतनी जल्दी ढाल लेना शानदार बात है। जब मुकाबला हाथ से निकलता दिख रहा था, तब भी उन्होंने टीम की उम्मीद बनाए रखी और मैच को करीब ले जाने की कोशिश की। हार के बावजूद बहुतुले ने टीम के माहौल और एकजुटता की तारीफ की। उन्होंने कहा कि मुख्य कोच रिकी पॉटिंग ने ड्रेसिंग रूम में भरोसे और समर्थन की मजबूत संस्कृति बनाई है।

हॉकी इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया सीरीज के लिए अंडर-18 पुरुष और महिला टीमों की घोषणा की

भोपाल। हॉकी इंडिया ने गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली अंडर-18 सीरीज के लिए भारतीय पुरुष और महिला टीमों की 24 सदस्यीय टीमों की घोषणा कर दी। यह सीरीज 15 से 20 मई 2026 तक भोपाल स्थित उधव दास मेहता (भाई जी) साई सेंट्रल सेंटर में खेली जाएगी। चार मैचों की यह सीरीज 29 मई से 6 जून 2026 तक जापान के काकामिंगहारा में आयोजित होने वाले पुरुष और महिला अंडर-18 एशिया कप की तैयारियों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के दौरान 42 खिलाड़ियों के प्रारंभिक समूह में से फिटनेस और सामरिक अनुकूलन क्षमता के आधार पर अंतिम 24 खिलाड़ियों का चयन किया गया। भारतीय अंडर-18 पुरुष टीम की कप्तानी फॉरेवर्ड खिलाड़ी केतन कुशावहा को सौंप गई है, जबकि महिला टीम की कमान स्वीटी कुजूर

संभालेगी। पुरुष टीम को पूर्व भारतीय हॉकी खिलाड़ी सरदार सिंह और रजनीश मिश्रा प्रशिक्षण दे रहे हैं। आगामी मुकाबलों को लेकर सरदार सिंह ने कहा, ह्णशिविर में एक उपयोगी सप्ताह बिताने के बाद हमने उन 24 खिलाड़ियों का चयन किया है जिन्हें हम अंतरराष्ट्रीय स्तर के लिए तैयार मानते हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वे मुक्तबले सिर्फ अभ्यास मैच नहीं हैं, बल्कि खिलाड़ियों के मानसिक संतुलन और सामरिक अनुशासन की बड़ी परीक्षा भी है। केतन मेदान पर स्वाभाविक तैा है और मैं देखना चाहता हूँ कि यह टीम ऑस्ट्रेलियाई शैली के दबाव और गति का सामना कैसे करती है। महिला टीम पूर्व भारतीय कप्तान रानी गणपाल के मार्गदर्शन में अभ्यास कर रही है। टीम चयन पर रानी ने कहा, ह्णहमें टीम को घटकर 24 खिलाड़ियों तक सीमित किया है, जिन्हें शिविर के दौरान सबसे अधिक निरंतरता और विकास दिखाया। स्वीटी के पास इस युवा टीम का नेतृत्व करने के लिए जरूरी अनुभव और दृष्टि है।

अहमदाबाद करेगा विश्व योगासन चैंपियनशिप के पहले संस्करण की मेजबानी

अहमदाबाद। वैश्विक योगासन आंदोलन के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में भारत 4 से 8 जून तक मुंबरात के अहमदाबाद स्थित ट्रांसस्टेडिया में 'विश्व योगासन चैंपियनशिप' के पहले संस्करण की मेजबानी करने के लिए तैयार है। इसमें 40 से अधिक देशों की भागीदारी होगी। 'वर्ल्ड योगासन' के तत्वावधान में आयोजित इस चैंपियनशिप की मेजबानी 'योगासन भारत' द्वारा की जाएगी। इसका उद्देश्य दुनिया भर के प्रमुख एथलीटों को एक साथ लाना और एक मान्यता प्राप्त प्रतियर्था खेल के रूप में योगासन को बढ़ावा देने में भारत की अग्रणी स्थिति को और मजबूत करना है। यह आंदोलन एक ऐसा आधार तैयार करना चाहता है जिससे वैश्विक स्तर पर बहु-खेल आयोजनों में इस खेल को शामिल करने का मार्ग प्रशस्त हो सके, जिसमें इसके ओलंपिक खेल बनने की प्रबल संभावना है। तैयारियों के हिस्से के रूप में, भारतीय राष्ट्रीय योगासन टीम के आधिकारिक चयन टायल 1 और 2 मई को भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) केंद्र, सोनीपत, हरियाणा में आयोजित किए गए थे। एथलीटों ने पारंपरिक, कलात्मक, लयबद्ध और एथलेटिक योगासन श्रेणियों में प्रतियर्था की। चर्यान्त एथलीट अब 10 मई से 2 जून तक नारायणपुरा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स अहमदाबाद में राष्ट्रीय कोचिंग कैंप में भाग लेंगे। इस अवसर पर योगासन भारत के अध्यक्ष उदित शेट ने कहा, रपहली बार विश्व योगासन खेल चैंपियनशिप की मेजबानी करना इस खेल के लिए एक निर्णायक क्षण है। हमारे प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत का यह विजन है कि योगासन खेल के माध्यम से योग को विश्व स्तर पर युवाओं तक पहुंचाया जाए, ताकि यह दुनिया भर के कई बहु-खेल आयोजनों में गूँजे और इसके ओलंपिक खेल बनने की उच्च संभावना बनी रहे। हमने एक मजबूत प्रतियर्था इकोसिस्टम तैयार किया है, और अब योगासन वैश्विक मंच के लिए तैयार है। भारत को इस आंदोलन का नेतृत्व करने पर गर्व है।

लेबनान के खिलाफ इतिहास रचने उतरेगी भारतीय अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम

सुजोड। भारत 8 मई को भारतीय समयानुसार 13:00 बजे चीन में सुजोड ताइहू फुटबॉल स्पोर्ट्स सेंटर पिच 8 पर अपने अंतिम ग्रुप बी मुकाबले में लेबनान से भिड़ेंगा। इस मुकाबले में जीत भारत को टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में पहली बार ऐतिहासिक जगह दिला सकती है। भारत के पास एएफसी अंडर-17 महिला एशियन कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने का एक अंतिम मौका है। गोलकीपर मुन्नी ने गुरुवार को पिच 6 पर हुए ट्रेनिंग सत्र के बाद कहा, ह्णकल हमारा ग्रुप स्टेज का आखिरी मैच है और अगर हम जीते हैं तो हम क्वालिफाई कर जाएंगे। ट्रेनिंग के बाद हमारी भावना अच्छी है। हमें विश्वास है कि हम यह मैच जीत सकते हैं, इसलिए हमें पूरी तरह फोकस रहना होगा।



ऑस्ट्रेलिया (0-2) और जापान (0-3) के खिलाफ हार के बावजूद यंग टाइग्रेस अब भी नॉकआउट की दौड़ में बनी हुई हैं, जहां वे दो सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान

परिणाम कुछ भी हो। भारत के लिए 21 साल बाद खेले जा रहे अपने पहले एएफसी अंडर-17 महिला एशियन कप में ग्रुप चरण से आगे बढ़ना एक ऐतिहासिक उपलब्धि होगी।

मुन्नी ने कहा, हमें भारत के लिए खेलना है और अपना सर्वश्रेष्ठ देना है। पिछली दोनों टीमें बहुत मजबूत थीं, लेकिन लेबनान हमारे स्तर के करीब है। हम उनका सम्मान करते हैं, लेकिन हमें विश्वास है कि हम उन्हें हरा सकते हैं। उनके स्ट्राइकर अच्छे हैं, इसलिए हमें सतर्क रहना होगा। हमें अनुशासन के साथ आक्रमण करना है और हमें विश्वास है कि हम गोल कर सकते

हैं। राजस्थान की 16 वर्षीय गोलकीपर मुन्नी जापान के खिलाफ भारत की प्रमुख खिलाड़ियों में से एक रहीं, खासकर शुरूआती चरण में जब भारत ने लगभग एक घंटे तक मजबूती से डिफेंड किया।

मुख्य कोच पामेला कॉन्टी को उम्मीद है कि लेबनान के खिलाफ मुकाबला पिछले दो मैचों से अलग होगा। उनके अनुसार, दोनों टीमों को जीत की जरूरत होने के कारण इस मैच में ट्रान्समिग्र अधिक महत्वपूर्ण होगा। टूर्नामेंट में पदार्पण कर रही लेबनान टीम ने पहले मैच में जापान से 0-13 की हार झेली, लेकिन दूसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ कर सभी को चौंका दिया।

कॉन्टी ने कहा, ह्णमैंने लेबनान और ऑस्ट्रेलिया का मैच देखा, जो 1-1 से समाप्त हुआ। वे हमारे स्तर की टीम हैं, लेकिन उनके पास अच्छे आक्रमक खिलाड़ी हैं। हमें सतर्क रहना होगा और ज्यादा खुलकर नहीं खेलना चाहिए, क्योंकि वे

काउंटर अटैक पर हमें नुकसान पहुंचा सकते हैं। यह एक बहुत समझदारी भरा मैच होगा और हमें याद रखना होगा कि यह 90 मिनट का खेल है—जहां सब कुछ दांव पर है।

बुधवार को भारतीय टीम ने जिम और स्विमिंग पूल में रिकवरी सत्र किए, जबकि गुरुवार को 90 मिनट का आधिकारिक ट्रेनिंग सत्र हुआ, जिसमें टैक्निकल और सेट-पीस अभ्यास के साथ छोटे खेल शामिल थे।

टीम इस मुकाबले के महत्व से भली-भांति परिचित है। दो दशक से अधिक समय बाद एएफसी अंडर-17 महिला एशियन कप में लौट रही इस पीढ़ी के लिए क्वार्टर फाइनल में पहुंचना एक बड़ी उपलब्धि होगी। इस साल सीनियर और अंडर-20 टीमों को खेलने ही अपने-अपने टूर्नामेंट में अंतिम आठ में नहीं पहुंच सकीं, लेकिन अंडर-17 टीम के पास वह सुनहरा मौका है।

करीब दो साल बाद टेस्ट टीम में वापसी कर रहे तस्कीन अहमद पर कप्तान नजमुल ने जताया भरोसा

ढाका। बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांती ने तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद की टेस्ट क्रिकेट में वापसी को लेकर भरोसा जताया है। तस्कीन लगभग दो साल बाद टेस्ट टीम में लौट रहे हैं और उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले के लिए टीम में शामिल किया गया है। यह मैच 8 मई से शेर-ए-बांग्ला नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। तस्कीन ने अपना आखिरी टेस्ट मुकाबला 2024 में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेला था। इसके बाद उन्होंने घरेलू क्रिकेट में भी कोई लंबा प्रारूप मैच नहीं खेला। नजमुल ने कहा गुरुवार को पत्रकारों से कहा, ह्णतस्कीन ने बहुत अच्छी तैयारी की है। मौसम खराब होने के कारण तैयारी थोड़ी मुश्किल जरूर रही, लेकिन उन्होंने अपने वर्कलोड को अच्छे तरीके से संभाला और जितनी गेंदबाजी जरूरी थी, उतनी की। उन्होंने कुछ दिन इंडोर में भी अभ्यास किया। वह काफी अनुभवी खिलाड़ी हैं और जानते हैं कि तैयारी कैसे करनी है। उन्होंने आगे कहा, फिजियो और ट्रेनर से भी काफी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। इसलिए मुझे उम्मीद है कि तस्कीन इस टेस्ट मैच में अच्छी गेंदबाजी करेंगे। बांग्लादेशी कप्तान ने कहा कि तस्कीन हमेशा टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहते हैं, लेकिन फिटनेस, चोट और वर्कलोड मैनेजमेंट के कारण उन्हें हर बार टीम में शामिल नहीं किया जा सका। नजमुल ने कहा, जब भी तस्कीन टीम में होते हैं, कप्तान के लिए चीजें आसान हो जाती हैं। वह टीम के लिए अतिरिक्त मेहनत करते हैं और पिछले सीरीज में भी उनका प्रदर्शन शानदार रहा था। कप्तान ने युवा सलामी बल्लेबाज तंजीद हसन तमीम का भी समर्थन किया, जिन्हें पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए पहली बार टीम में जगह मिली है। उन्होंने कहा कि वह तंजीद को लंबे प्रारूप के अनुरूप अपनी स्वाभाविक बल्लेबाजी शैली बदलने के लिए नहीं कहेंगे। उन्होंने कहा, हर खिलाड़ी की अपनी अलग शैली होती है। मैं नहीं चाहता कि कोई अपना स्वाभाविक खेल बदले।

वीपीएल सीजन-2 में डबल खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ उतरेगी नेको मास्टर ब्लास्टर नागपुर। विदर्भ प्रीमियर लीग (वीपीएल) सीजन-2 से पहले गत चैंपियन नेको मास्टर ब्लास्टर ने अपनी तैयारियों को लेकर बड़ा भरोसा जताया है। हाल ही में हुए खिलाड़ी ऑक्शन में मजबूत टीम तैयार करने के बाद फ्रेंचाइजी ने इस सीजन पुरुष और महिला दोनों वर्गों में खिताब जीतने का लक्ष्य रखा है।जितेश शर्मा की कप्तानी वाली पुरुष टीम ने अपने मुख्य खिलाड़ियों को बरकरार रखते हुए कुछ अहम नए खिलाड़ियों को भी शामिल किया है। टीम में हर्ष दुवे जैसे अनुभवी खिलाड़ी की एंट्री से संतुलन और मजबूत हुआ है। नेको मास्टर ब्लास्टर के मालिक आनंद जायसवाल ने टीम की तैयारियों पर कहा, हमने ऑक्शन में पूरी स्पष्टता और योजना के साथ हिस्सा लिया। हमारा लक्ष्य सही क्षेत्रों में टीम को मजबूत करना था, ताकि विदर्भ क्षेत्र को गर्व महसूस हो। हमें टीम संयोजन से संतोष है और इस बार हमारा लक्ष्य दो ट्रॉफियां जीतना है। जायसवाल नेको ग्रुप के प्रबंध निदेशक रमेश जायसवाल ने कहा, डिफेंडिंग चैंपियन होने के नाते टीम पर जिम्मेदारी ज्यादा होती है। हमें विश्वास है कि इस बार टीम में गुणवत्ता, गहराई और संतुलन का बेहतरीन मिश्रण है। अब हमारा पूरा ध्यान बेहतर तैयारी और पिछले सीजन जैसी भूख बनाए रखने पर है। कप्तान जितेश शर्मा ने भी टीम संयोजन पर संतोष जताते हुए कहा, ह्णहमने एक मजबूत और संतुलित टीम बनाई है। अब हमारा फोकस एकजुट होकर सीजन की तैयारी करने पर है। डिफेंडिंग चैंपियन होने के कारण अपेक्षाएं ज्यादा होती हैं, लेकिन हम इसके लिए पूरी तरह तैयार हैं।

बिहार में कैबिनेट का बड़ा विस्तार

निशांत कुमार की एंट्री से भविष्य की रणनीति साफ

नई युवा पीढ़ी के नेतृत्व में आगे की रणनीति पर काम कर रही है

नवप्रदेश/बिहार। गुरुवार को ऐतिहासिक गांधी मैदान में सम्राट चौधरी के मंत्रिमंडल का विस्तार हुआ। जहां 32 नए मंत्रियों ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। यह आयोजन राजनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण बन गया। जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मौजूदगी में इस विस्तार को राष्ट्रीय महत्व दे दिया। राज्यपाल सैयद अता हसनैन ने सभी मंत्रियों को शपथ दिलाई। इस शपथ ग्रहण में सबसे ज्यादा चर्चा जीडीपू के नेता निशांत कुमार को मंत्री बनाए जाने को लेकर है जहां निशांत कुमार



कि राजनीति में बड़ी और औपचारिक एंट्री मानी जा रही है। जेडीयू ने निशांत को कैबिनेट में शामिल करके यह साफ संदेश दिया है कि वह नई युवा पिढ़ी के नेतृत्व में आगे की रणनीति पर काम कर रही है।

जहां विपक्ष इसे परिवारवाद का मुद्दा बन सकता है लेकिन जेडीयूइसे युवाओं को मौका देने की पहल के तौर पर काम पेश कर रही है वहीं दीपक प्रकाश को आर एल एम से एक बार फिर मंत्री

बनाया गया है जिससे साफ झलकता है कि एनडीए कोइरी समुदाय को साधने की कोशिश की गई है यह समुदाय बिहार की राजनीति में निर्णायक भूमिका निभाता है। वहीं मंत्रिमंडल विस्तार में गठबंधन धर्म का पूरा संतुलन का खाश ख्याल रखा गया है जहां भाजपा के 15 और जदयू के 12 मंत्री बनाए गए हैं वहीं लोजपा आर,हम और रालोमो दि गई है। जहां भाजपा से विजय सिन्हा, दिलीप जायसवाल, नीतीश मिश्रा,

बेटे की शादी से पहले आकाशीय बिजली

गिरने से पिता की मौत

नवप्रदेश/रोहतास। रोहतास जिले के अकंठेदिगोला प्रखंड के बसंतपुर गांव में आकाशीय बिजली गिरने से एक दर्दनाक हादसा हो गया। भैंस चरा रहे 65 वर्षीय नंदकिशोर यादव की मौके पर ही मौत हो गई। गुरुवार दोपहर करीब 2:00 बजे नंदकिशोर यादव, पिता राम वृक्ष यादव, गांव के खेतों में भैंस चरा रहे थे। इसी दौरान मौसम ने अचानक करवट ली। तेज आंधी-तूफान के साथ बारिश शुरू हो गई। नंदकिशोर यादव भैंस लेकर घर लौट रहे थे कि तभी तेज गर्जना के साथ उन पर उनका गिर पड़ा। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सबसे दुखद पहलू यह है कि नंदकिशोर के इक्कलिते बेटे कुंदन कुमार, 22 वर्ष, की इसी महीने शादी थी। 10 मई को तिलक और 12 मई को बारात जानी थी। घर में शादी की तैयारियां चल रही थीं, लेकिन बेटे की शादी से पहले ही पिता की अर्धी उठ गई। घटना के बाद पूरे परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में भी मातम पसरा है। अकंठेदिगोला के प्रभारी थाना अध्यक्ष सुनील कुमार ने घटना की पुष्टि की है।

विभागों का बंटवारा जल्द: बड़े प्रशासनिक फेरबदल की तैयारी

नवप्रदेश/बिहार। बिहार में मंत्रियों के शपथ ग्रहण के बाद सम्राट सरकार अब विभागों की जिम्मेदारी सौंपने के लिए तैयार है। इसके तुरंत बाद राज्य में आधा दर्जन व्हर और कई जिलों के उट के तबादले होने वाले हैं। पटना के गांधी मैदान में भव्य शपथ ग्रहण समारोह के बाद अब बिहार की 'सम्राट सरकार' में विभागों के बंटवारे की तैयारी पूरी हो चुकी है।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाले इस नए मंत्रिमंडल में कुल 35 मंत्रियों को शामिल किया गया है, जिनमें बीजेपी, जदयू, लोजपा (रामविलास), हम और आरएलएम के प्रतिनिधि शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार, विभागों के आवंटन की आधिकारिक अधिसूचना आज रात या कल सुबह तक जारी की जा सकती है। मुख्यमंत्री ने विकास की गति को तेज करने के लिए अनुभवी और नए चेहरों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश की है।



विभागों के आवंटन में बड़े बदलाव के संकेत मंत्रिमंडल में विभागों के वितरण को लेकर सियासी गलियारों में काफी चर्चा है। इस बार कई महत्वपूर्ण विभागों के स्वरूप में बदलाव देखने को मिल सकता है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी स्वयं गृह विभाग और सामान्य प्रशासन जैसे अहम विभागों की कमान संभाल सकते हैं, जबकि उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी और बिजेंद्र प्रसाद यादव को शिक्षा, स्वास्थ्य, वित्त और ग्रामीण विकास जैसे बड़े पोर्टफोलियो मिलने की उम्मीद है। मंत्रियों की इस नई टीम पर आगामी चुनावों से पहले राज्य में बुनियादी ढांचे और जन-कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने की बड़ी जिम्मेदारी होगी।

रोहतास जिले के सूर्यपुरा प्रखंड से मनोज कुमार सिंह रिपोर्टर की खबर

- शादी की खुशी मातम में बदल गई**
- घर में बेटे की हल्दी रटम की मंगल गीत गाया जा रहा था**
- दरवाजे में लाइन प्रवाहित की चपेट में आ जाने से हुई मौत**

नवप्रदेश/सूर्यपुरा। सूर्यपुरा प्रखंड के सदर पंचायत के वार्ड नंबर 10 में बुधवार की मध्य रात्रि में बिजली कंरेट की चपेट में आने से 64 वर्षीय कुनकुन सिंह की मौत हो गई। वार्ड नंबर 10 के वार्ड सदस्य रिक्की साह ने बताया कि स्थानीय प्रखंड अंतर्गत सदर पंचायत के वार्ड नंबर 10 छोटका पोखरा निवासी स्व लालक सिंह चंद्रवंशी

एचपी गैस सिलेंडर को लेकर उपभोक्ताओं ने किया सड़क जाम, प्रशासन ने संभाला मोर्चा

नवप्रदेश/बगहा/चौतरवा। बगहा पुलिस जिला के चौतरवा थाना क्षेत्र अंतर्गत पतिलार स्थित बाबा भोलेश्वर एचपी गैस एजेंसी पर गुरुवार को भी गैस सिलेंडर वितरण को लेकर भारी अव्यवस्था देखने को मिली। सुबह से ही बड़ी संख्या में उपभोक्ता खाली सिलेंडर लेकर एजेंसी पर पहुंच गए, लेकिन घंटों इंतजार के बाद भी गैस नहीं मिलने से लोगों का आक्रोश फूट पड़ा। नाराज उपभोक्ताओं ने सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। स्थिति बिगड़ती देख स्थानीय प्रशासन और पुलिस टीम मौके पर पहुंची तथा लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराया। उपभोक्ताओं ने आरोप लगाया कि वे सुबह सात बजे से ही चौतरवा कॉमन प्लांट परिसर में लाइन में खड़े थे। कई लोग बिना खाए-पिए घंटों इंतजार करते रहे, लेकिन उन्हें गैस सिलेंडर नहीं मिला। लोगों का कहना था कि एजेंसी संचालक द्वारा सूचना दी गई थी कि कॉमन प्लांट परिसर में गैस वितरण किया जाएगा, इसी भरोसे पर वे पहुंचे थे। बावजूद इसके वितरण व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। आक्रोशित उपभोक्ताओं ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि गैस बुकिंग कराने के एक महीने बाद भी सिलेंडर नहीं मिल रहा है। कई उपभोक्ताओं के मोबाइल पर ओटीपी आने के बावजूद उन्हें गैस देने से मना कर दिया गया। इससे लोगों में भारी लाजवर्गी देखी गई। मामले की जानकारी मिलते ही एमओ प्रतिमा श्रीवास्तव एजेंसी पहुंचीं और वितरण व्यवस्था की जांच की। उन्होंने मौके पर मौजूद उपभोक्ताओं को समझाते हुए कहा कि अलग-अलग चिह्नित स्थानों पर गैस सिलेंडर भेजा जा रहा है।उनके निर्देश पर एजेंसी की गाडियां विभिन्न क्षेत्रों में सिलेंडर लेकर रवाना की गईं, ताकि उपभोक्ताओं को राहत मिल सके।एमओ प्रतिमा श्रीवास्तव ने बताया कि उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए प्रशासन लगातार निगरानी कर रहा है। जहां भी वितरण में समस्या सामने आएगी,वहां तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

एक विवाहिता की मौत

नवप्रदेश/बेतिया। मुफर्रिसल थाना क्षेत्र के लालगढ पंचायत वार्ड संख्या 5 में एक विवाहिता की संदिग्ध स्थिति में मौत हो गई मृतिका की पहचान स्थानीय निवासी राजेश महतो की पत्नी,सीमा देवी,उम्र 26 वर्ष के रूप में की गई है।मृतिका के मायके वालों काआरोप है कि शव फेंडे से लटक हुआ था,वहीं ससुराल वालों का कहना है की सीमा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। यह मामलाअब हत्या/ आत्महत्या के पैच में फंस गया है। घटना की सूचना मिलते ही में मुफर्रिसल थाना अध्यक्ष,सम्राट सिंह पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे,शव कोअपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जीएमसीएच भेज दिया। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है।मृतिका के बड़े भाई कन्हैया कुमार ने संवाददाता को बताया कि रात के समय उनकी सीमा से फोन पर 10 मिनट तक बात सामान्य रूप से पारिवारिक बातचीत हुई, जिसमें सीमा ने किसी परेशानी या तनाव का जिक्र नहीं किया। सुबह ससुराल पक्ष ने फोन कर सूचना दी कि सीमा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है।

एक नजर

आंगनबाड़ी केंद्रों पर गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की रस्म हुई

नवप्रदेश/सूर्यपुरा। प्रखंड क्षेत्र के कई आंगनबाड़ी केंद्रों पर गुरुवार को पोषक क्षेत्र के गर्भवती महिलाओं की गोद भराई का रस्म किया गया. प्रखंड मुख्यालय के आदर्श आंगनबाड़ी केंद्र,बीचली गली की सेविका सुभावती देवी,नारायणपुर, रतनपट्टी की कुशुम कुंवर ने लाभार्थी शालिनी कुमार, पति सोनू सिंह सहित कई केंद्रों पर सेविका द्वारा पोषक क्षेत्र के गर्भवती महिला की गोद भराई का रस्म करने के साथ ही गर्भावस्था में विशेष ध्यान देने की कई बातों की जानकारी दी गई. वहीं उपस्थित महिलाओं को जागरूक करते हुए सेविकाओं ने कहा कि गर्भावस्था के दौरान टेनेस का इन्जेक्शन लेने के साथ ही भारी वजन उठाने से परहेज, पौष्टिक आहार, हरे पत्तेदार सब्जियां,आयरन की गोली एवं समय-समय पर आशा दीदी एवं एनएएम से उचित परामर्श लेते रहना है।

सासाराम-आरा-पटना राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण कार्य का जिला पदाधिकारी ने किया निरीक्षण

नवप्रदेश/आरा, भोजपुर। तनय सुलानिया ने एनएचआई परियोजना के पैकेज-1 अंतर्गत त्तारी प्रखंड के कुसुरी में सासाराम-आरा-पटना राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने एनएचआई के अभियंता को निर्देश दिया कि सीएनजी कार्य को 15 मई 2026 तक हर हाल में पूर्ण कराया जाए। साथ ही जिला भू-अर्जन पदाधिकारी भोजपुर को लबित रैयतों के भुगतान में तेजी लाने का निर्देश दिया। इसके उपरांत जिलाधिकारी ने एनएचआई परियोजना के पैकेज-2 अंतर्गत गड़हनी प्रखंड के बगवा गांव स्थित इंटरसेक्शन प्वाइंट पर राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने अंचलाधिकारी गड़हनी एवं उदवंतनगर को रैयतों का भूमि दखल-कब्जा प्रमाण पत्र निर्गत करने की प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया। साथ ही एनएचआई के अभियंता को सीएनजी कार्य शीघ्र प्रारंभ कराने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि सासाराम-आरा-पटना राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण से क्षेत्र में यातायात व्यवस्था सुदृढ़ होगी तथा लोगों को तेज एवं सुगम आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी। इसके साथ ही व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा एवं क्षेत्रीय विकास को नई गति मिलेगी। इस अवसर पर सहायक समहार्त भोजपुर, जिला भू अर्जन पदाधिकारी, विशेष कार्य पदाधिकारी, भोजपुर, एनएचआई के अभियंता एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

डिहरी-राजपुर पथ पर कार-टेंपू की टक्कर

नवप्रदेश/डिहरी। डिहरी-राजपुर पथ पर करकट पुर गांव के पास गुरुवार सुबह करीब 10 बजे बड़ा सड़क हादसा हो गया। राजपुर की तरफ से अकंठेड़ी गोला बाजार जा रही टेंपू (BR26P B1492) को डिहरी से राजपुर की ओर जा रही अनियंत्रित कार(बलेनो BR028F9136) ने करकट पुर गांव के सामने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि टेंपू में सवार चार छात्रा, एक छात्र, एक मजदूर व टेंपू चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल छात्र सड़क पर गिरकर सने-चिल्लाने लगे। राहगीरों ने तत्काल सभी घायलों को सरकारी अस्पताल अकंठेड़ी गोला पहुंचाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार गम्हरिया गांव के गेट से शबाना खातून, सुचिता कुमारी, नसरतीन खातून, जिशान आलम, आमिर आलम और मजदूर करने जा रहे मनोज राम गम्हरिया निवासी खाली टेंपू से अकंठेड़ी गोला जा रहे थे, तभी हादसा हुआ। गंभीर रूप से घायल मनोज राम के दोनों पैर टूट गए थे। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उन्हें बेकतर इलाज के लिए सासाराम सदर अस्पताल रेफर कर दिया, जहां शाम 4 बजे के आस पास इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण व पश्चिन मौके पर पहुंचे। अपर थानाध्यक्ष सुनील कुमल ने बताया कि पुलिस ने कार व टेंपू को जप्त कर थाना ले आई है। इलाज के दौरान शाम 4:00 बजे के आसपास मनोज राम की मौत हो गई। मनोज राम के शव को पोस्टमार्टम के लिए सासाराम सदर अस्पताल भेजा गया है।

बिक्रमगंज में सड़क जाम से लोगों को नहीं मिल रहा है निजात

नवप्रदेश/बिक्रमगंज। अनुमंडल मुख्यालय बिक्रमगंज में सड़क जाम की समस्या गंभीर हो गई है। गुरुवार को फिर बिक्रमगंज शहर जाम हो गया। जाम के कारण सभी पथों वाहनों की लंबी कतार लग गई। जाम से लोगों को निजात दिलाने के लिए लगाई गई पुलिस को जाम हटाने के बजाए बालू वाले ट्रकों से वसूली करने देखा गया। बताया जाता है कि बिक्रमगंज में बढ़ती आबादी के बीच इस शहर को सड़क जाम की समस्या से मुक्ति नहीं दिलाया जा सका है। जिस कारण शहरवासियों सहित आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लगन व परीक्षा के दिनों में तो शहर की स्थिति और भी भयावह हो जाती है। शहर की मुख्य थाना चौक व तेंपूनी चौक से लेकर सिलौटा मौजा धावा पुल तक करीब दो किलोमीटर की दूरी तय करने लग्जरी व दुतगामी वाहनों को दो घंटे से अधिक लग जाते हैं। गुरुवार को सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक रूक-रूक कर जाम लगता रहा। जाम में कई दुल्हे-दुल्हनों के साथ-साथ स्कूली वाहन घंटों फंसे रहे। लोगों को जाम से निजात दिलाने के लिए पुलिस के जवानों के साथ पुलिस अधिकारी को भी तैनात किया गया था, लेकिन अधिकारी और जवान बालू के ट्रकों को पार कराने में व्यस्त दिखे। उनके इस रवैया से जाम की समस्या को गंभीर बना रहा। एहसासीओ सिंगु शंखर सिंह ने बताया कि दिनों दिन गंभीर होते जा रहे जाम की समस्या का स्थायी समाधान की योजना बनाने पर विचार किया जा रहा है।

26 वर्षीय एक युवक का संदिग्ध स्थिति में हुई मौत, क्षेत्र में फैली सनसनी

नवप्रदेश/बेतिया। लौरिया थाना क्षेत्र के मिथि टोला गांव में एक 26 वर्षीय युवक का संदिग्ध स्थिति में मौत होने की खबर मिली है। मृतक की पहचान,बैरिया थाना क्षेत्र के मथली गांव निवासी,आमप्रकाश का पुत्र, राजा कुमार उपाध्याय,उम्र 26 वर्ष के रूप में की गई है। मृतक की शादी वर्ष 2024 में मरहीया गांव निवासी मृत्युंजय पांडे के बेटी,अंशु कुमारी से हुई थी।मृतक को एक डेढ़ साल की पुत्री है, उसकी पत्नी चार महीना के गर्भवती थी। मृतक के ससुर ने संवाददाता को बताया कि मृतक कुछ दिनों से परेशान रहता था,साथ ही दिमागी परेशानी से झेल रहा था, पारिवारिक कलह से भी त्रस्त था,घर परिवार सेअलग रहकर किया के मकान में रहता था। पत्नी अंशु कुमारी अपने मायके मारिहीया गांव हुई हुई थी,जब वहां से अपने ससुराल लौटी तो देखा कि दरवाजा बंद था,गांव वालों को बुलाकर उसके सामने दरवाजा तोड़ा गया,तो उसका पति पंखे से लटक कर आत्महत्या कर ली थी।

राष्ट्रीय लोक अदालत में पुराने ट्रैफिक चालानों का होगा रियायती निपटारा

नवप्रदेश/बेतिया। वर्षों से लंबित यातायात चालानों के त्वरित एवं रियायती निपटारे को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। आगामी 09 मई 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन को लेकर जिला पदाधिकारी तरनजोत सिंह की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जा सकें। आम लोगों को अधिक से अधिक सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। बैठक के दौरान जिला परिवहन पदाधिकारी रिंतु रानी ने जानकारी दी कि परिवहन विभाग द्वारा एकमुश्त यातायात चालान निपटान योजना, 2026 को मंजूरी प्रदान की गई है। इस योजना के तहत ऐसे ई-चालान, जो 90 दिनों से अधिक समय से लंबित हैं तथा जिनका भुगतान 31 मार्च 2026 तक नहीं किया गया है, उन्हें बेहद रियायती दरों पर निपटाने का अवसर मिलेगा। उन्होंने बताया कि यह सुविधा उन मामलों पर भी लागू होगी जो न्यायालय में लंबित हैं तथा उन मामलों पर भी जिनकी प्रक्रिया अभी न्यायालय तक नहीं पहुंची है। उन्होंने कहा कि आम नागरिक 09 मई को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में पहुंचकर अपने पुराने यातायात चालानों का निपटारा आसानी से करा सकते हैं।

संक्षिप्त खबरें

31.61 लाख रुपये मूल्य के नकली अलकलाइन वाटर जब्त

नई दिल्ली। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसआई) के पश्चिमी क्षेत्रीय कार्यालय ने एक उपभोक्ता शिकायत के आधार



पर अलकलाइन वाटर निमाता के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। इसके तहत एफएसएसआई ने लगभग 31.61 लाख रुपये मूल्य का स्टॉक जन्त कर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत कार्रवाई शुरू की। प्रयोगशाला जांच में उत्पाद में फुल्विक एसिड की मौजूदगी की पुष्टि हुई, जो वर्तमान एफएसएसआई नियमों के अनुरूप नहीं है। जांच में यह भी पाया गया कि यह तत्व काले खनिज पदार्थ मिलाने से उत्पन्न हुआ था और पानी में स्वाभाविक रूप से मौजूद नहीं था, जो सुरक्षा मानकों का स्पष्ट उल्लंघन है। एफएसएसआई ने बताया कि यह शिकायत फूड सेफ्टी कनेक्ट पोर्टल के माध्यम से दर्ज की गई थी, जिसमें खाद्य सुरक्षा संचालक (एफबीओ) द्वारा शिकायतों का समाधान न करने की बात सामने आई थी। इसके बाद गुजरात के वडोदरा जिले के सावली स्थित निर्माण इकाई का निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान उत्पाद की पैकेजिंग पर सामने की ओर उत्पाद का नाम नहीं पाया गया, समग्री की घोषणा अनुपस्थित थी तथा तैयार उत्पाद में काले कण दिखाई दिए। तकनीकी जांच में कई अनियमितताएं सामने आईं, जिनमें अस्पष्ट काले-भूरे रंग, तलछट की मौजूदगी तथा प्राथमिक और द्वितीयक पैकेजिंग के विवरण में विरोधाभास शामिल थे।

भाजपा की जीत को लेकर बांग्लादेश की टिप्पणी पर विदेश मंत्रालय ने दी प्रतिक्रिया



नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने बांग्लादेश के मंत्रियों द्वारा पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत पर दिये गये बयानों के संबंध में गुरुवार को कहा कि इन टिप्पणियों को भारत में अवैध रूप से रहने वाले बांग्लादेशी नागरिकों के प्रत्यावर्तन के संदर्भ में देखा जाना चाहिए। बांग्लादेश के विदेश मंत्री और गृह मंत्री ने पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि भारत की ओर से लोगों को बांग्लादेश में धकेलने की कोशिश की जाएगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आज प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि हमने बांग्लादेश के मंत्रियों की इन टिप्पणियों को देखा है। इन्हें अवैध बांग्लादेशियों को बांग्लादेश भेजे जाने के संदर्भ में देखा जाना चाहिए।' प्रवक्ता ने कहा कि इस काम में हमें बांग्लादेश सरकार के सहयोग की जरूरत है। उन्होंने बताया कि 2860 से अधिक मामलों में राष्ट्रीयता का सत्यापन करने का मामला बांग्लादेश के समक्ष लंबित है। कई मामले पांच साल से अधिक समय से लंबित हैं। आशा है कि बांग्लादेश सरकार राष्ट्रीयता सत्यापन के मामलों का निपटारा करेगी ताकि प्रत्यावर्तन का काम सुगम रूप से हो सके। प्रवक्ता ने तीस्ता नदी के जल पर पूछे गये एक सवाल के जवाब में कहा कि बांग्लादेश और भारत 54 नदियां साझा करते हैं। हमने जल से संबंधित सभी मुद्दों पर चर्चा करने के लिए द्विपक्षीय तंत्र स्थापित किए हैं, जिनकी बैठकें नियमित अंतराल पर होती रहती हैं।

मध्यप्रदेश के कूनों नेशनल पार्क से राजस्थान के धौलपुर वन क्षेत्र में पहुंचा चीता

धौलपुर। मध्यप्रदेश के कूनों राष्ट्रीय उद्यान से एक चीता पूर्वी राजस्थान के धौलपुर जिले के वन क्षेत्र में पहुंच गया है। धौलपुर जिले के सरमथुरा क्षेत्र के जंगल में वन विभाग के कैमरे में चीते की लोकेशन ट्रेक हुई है। इसके बाद वन विभाग पूरी तरह अलर्ट हो गया है तथा उसकी निगरानी और ट्रैकिंग का अभियान शुरू किया गया है। धौलपुर जिला सामाजिक वानिकी के उप वन संरक्षक वी चेतन कुमार ने बताया कि मध्यप्रदेश के कूनों स्थित राष्ट्रीय उद्यान से एक चीता बीते दिनों धौलपुर वन क्षेत्र की सरमथुरा रेंज की टेरेस्ट्री में आ गया है। एक दिन पूर्व इस चीते की लोकेशन राष्ट्रीय चंबल अभ्यारण के रीझोनी इलाके में ट्रेक हुई है। चीते की लोकेशन के साथ-साथ उसके मूवमेंट पर वन विभाग के अधिकारियों द्वारा पूरी तरह से मोनिटरिंग की जा रही है। इस बात की संभावना है कि यह चीता कूनों नेशनल पार्क से विचरण करते हुए पहले करौली के मंडरायल के डांग इलाके में पहुंचा होगा तथा वहां से मूवमेंट करते हुए धौलपुर जिले के सरमथुरा पहुंचा। जहां पर रीझोनी इलाके में वन विभाग के कैमरे में उसकी लोकेशन ट्रेक की गई। डीएफओ वी चेतन कुमार ने बताया कि कूनों से आए चीते की लोकेशन के बाद में वन विभाग के अधिकारियों ने सरमथुरा रेंज में रीझोनी तथा आसपास के इलाके में निरीक्षण कर हालात का जायजा लिया है। चीते के मूवमेंट पर लगातार नजर रखी जा रही है। इसके साथ ही वन विभाग की टीम संबंधित इलाके में गश्त भी कर रही है, ताकि किसी भी संभावित अप्रिय घटना को रोका जा सके। वन विभाग के अधिकारियों ने ग्रामीणों से पूरी तरह से सतर्क रहने और संबंधित वन क्षेत्र में अनावश्यक आवाजाही नहीं करने की अपील की है।

ऑपरेशन सिंदूर की वर्षगांठ पर विदेश मंत्रालय ने कहा भारत को आतंकवाद के खिलाफ रक्षा का अधिकार

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने ऑपरेशन सिंदूर की वर्षगांठ पर गुरुवार को कहा कि पाकिस्तान आतंकवाद का सरकारी नीति के रूप में इस्तेमाल करता है। भारत को आतंकवाद से अपनी सुरक्षा करने का पूरा अधिकार है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आज प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि पूरी दुनिया ने पहलगाम आतंकवादी हमले की सच्चाई को देखा था। भारत ने उसका मुंहतोड़ उत्तर दिया। भारत को आतंकवाद से अपनी सुरक्षा करने का पूरा अधिकार है। हम आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई को मजबूत करने में लगातार संलग्न हैं। विदेश मंत्रालय ने सिंधु जल समझौते के संबंध में पाकिस्तान की आपत्ति को खारिज करते हुए कहा कि इस संबंध में हमारी नीति लगातार एक जैसी रही है। पाकिस्तान की सीमापार आतंकवादी गतिविधियों के कारण यह संधि निर्लंबित है। पाकिस्तान को आतंकवाद का समर्थन करने की अपनी गतिविधियों को पूरी तरह रोकना चाहिए।

मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए जननी डिजिटल प्लेटफॉर्म लॉन्च

नई दिल्ली। केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने गुरुवार को मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए जननी डिजिटल प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है। जननी (गर्भावस्था पूर्व, प्रसव और नवजात शिशु की एकीकृत देखभाल की यात्रा) एक आधुनिक डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जिसे महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य रिकॉर्ड की निगरानी और प्रबंधन के लिए तैयार किया गया है। यह पुराने आरसीएच पोर्टल का उन्नत संस्करण है, जो गर्भावस्था से लेकर गर्भावस्था शिशु देखभाल और परिवार नियोजन तक की सभी सेवाओं का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करेगा। इस प्लेटफॉर्म के जरिए गर्भवती महिलाओं की समय पर जांच, प्रसव तैयारी, टीकाकरण और नवजात शिशु की देखभाल की निगरानी आसान होगी। स्वास्थ्य



मंत्रालय ने गुरुवार को जानकारी दी कि जननी एप में क्यूआर कोड आधारित डिजिटल माता और बच्चे के स्वास्थ्य कार्ड की सुविधा दी गई है, जिससे स्वास्थ्य रिकॉर्ड कहीं भी आसानी से उपलब्ध रहेंगे। प्लेटफॉर्म में हार्ड-रिस्क प्रेग्नेंसी के लिए अटोमैटिक अलर्ट, रियल-टाइम डैशबोर्ड और ट्रैकिंग सिस्टम जैसी सुविधाएं भी शामिल हैं। इसे यू-विन और पोशन जैसे राष्ट्रीय प्लेटफॉर्मों से भी जोड़ा गया है, ताकि विभिन्न योजनाओं के बीच बेहतर समन्वय हो सके।

पाकिस्तान के नौ आतंकी ठिकानों को पूरी तरह ध्वस्त किया गया, 11 एयरफील्ड को तबाह किया गया और 13 विमान मार गिराए गए

जयपुर। ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर भारतीय सेना ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ भारत की कार्रवाई केवल एक सैन्य अभियान नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा की नई रणनीतिक नीति का संकेत है। सेना ने दो टुक कहा कि अब पाकिस्तान में कोई भी आतंकवादी ठिकाना सुरक्षित नहीं है और ऑपरेशन सिंदूर अभी समाप्त नहीं हुआ, बल्कि यह आतंकवाद के खिलाफ भारत की निर्णायक लड़ाई की शुरुआत है। जयपुर स्थित साउथ वेस्टर्न कमांड में गुरुवार को आयोजित संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारतीय थल सेना, वायु सेना और नौसेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने ऑपरेशन सिंदूर की रणनीति, उपलब्धियों और उसके प्रभावों पर विस्तार से जानकारी दी।

'ऑपरेशन सिंदूर' अंत नहीं शुरूआत : भारतीय सेना



सेना ने इस अभियान को पिछले कई दशकों में पाकिस्तान प्रायोजित सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत का सबसे व्यापक और समन्वित सैन्य अभियान बताया। पत्रकार वार्ता में इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टॉफ के डिप्टी चीफ (ऑपरेशन) लेफ्टिनेंट जनरल जुबिन ए. मिनवाला, डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टॉफ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई, डाइरेक्टर जनरल एयर ऑपरेशन एयर मार्शल अवधेश कुमार तथा डाइरेक्टर जनरल नेवल ऑपरेशन वाइस एडमिरल ए.एन. प्रमोद सहित कई वरिष्ठ सैन्य अधिकारी मौजूद रहे। लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने यह साबित कर दिया कि ह्यआत्मनिर्भर भारतह केवल नारा नहीं, बल्कि भारत की सैन्य शक्ति को कई गुना बढ़ाने वाली वास्तविक क्षमता है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में भारतीय सेना द्वारा उपयोग किए जा रहे 65 प्रतिशत से अधिक रक्षा

समझा, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर ने यह धारणा पूरी तरह तोड़ दी। आतंकवादी कैपों का स्थान बदलते रहने और उन्हें सीमा से भीतर खिसकाने की कोशिशों के बावजूद भारतीय सेना की पहुंच और क्षमता पर कोई असर नहीं पड़ा। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राजीव घई ने प्रसिद्ध शायर दुखंत कुमार की पंक्तियां उद्धृत करते हुए कहा कि घंगा का कदना मेरा मकसद नहीं, मेरी कोशिश है कि ये सूरत बदलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखेगा और राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर आवश्यक कदम उठाएगा। राजीव घई ने कहा कि भारत ने दो प्रमुख आतंकी लक्ष्यों को निशाना बनाया था। इन कार्रवाइयों में आतंकवादी शिविरों को भारी क्षति पहुंची और 100 से अधिक आतंकियों के मारे जाने की पुष्टि हुई। उन्होंने दावा किया कि नियंत्रण रखा पर बाद में हुई झड़पों में पाकिस्तान के 100 से अधिक सैनिक भी मारे गए। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने लंबे समय तक आतंकवादी ढांचे को सुरक्षित

चंद्रनाथ इत्याकांड: इस्तेमाल बाइक का रजिस्ट्रेशन आसनसोल के बर्नपुर का

आसनसोल। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता शुभेंदु अधिकारी के करीबी सहयोगी चंद्रनाथ रथ की हत्या में नया खुलासा हुआ है। चंद्रनाथ की हत्या में उपयोग की गई बाइक का रजिस्ट्रेशन पश्चिम बर्दवान जिले के बर्नपुर इलाके का निकला है। जांच में सामने आया कि बाइक का रजिस्ट्रेशन नंबर WB44D1990 है। उपलब्ध रजिस्ट्रेशन विवरण के अनुसार बाइक के मालिक का नाम विभाष कुमार भट्टाचार्य बताया गया है। बाइक का रजिस्ट्रेशन पश्चिम बर्दवान आरटीओ में 4 मई, 2012 को हुआ था और इसकी वैधता 2 मई, 2027 तक है। रजिस्ट्रेशन में दर्ज पता - क्वार्टर नंबर अइ 7/12, गुरुद्वारा रोड, बर्नपुर, थाना/लैंडमार्क हीरापुर, बर्नपुर,



पश्चिम बंगाल दिया गया है। गुरुवार को जब इस पोरे की जांच की गई तो पता चला कि वहां विभाष कुमार भट्टाचार्य नाम का कोई व्यक्ति नहीं रहता। वर्तमान में उस क्वार्टर में बर्नपुर इस्को कारखाने के कर्मचारी धर्मवीर कुमार अपने परिवार के साथ रह रहे हैं। धर्मवीर कुमार ने बताया कि वे वर्ष 2014 से वहां रह रहे हैं और विभाष नाम के किसी व्यक्ति को नहीं जानते। उन्होंने यह भी कहा कि जिस बाइक का नंबर सामने आया है, वह वहां मौजूद नहीं है। उनके पास जो बाइक है उसका रजिस्ट्रेशन नंबर अलग है। इस खुलासे के बाद गुरुद्वारा रोड स्थित एबी टाइप क्वार्टर के निवासी भी हैरान हैं। प्रारंभिक तौर पर आशंका जताई जा रही है कि हत्या में इस्तेमाल बाइक का रजिस्ट्रेशन नंबर फर्जी हो सकता है।

पांच राज्यों में चुनाव के दौरान 1,400 करोड़ से अधिक की अवैध वस्तुएं जब्त

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की विधानसभाओं के आम चुनाव और पांच राज्यों की सात विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनावों के दौरान आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) का कड़ाई से पालन कराते हुए 1,400 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की अवैध वस्तुएं जन्त की। आयोग ने मुख्य सचिवों, सीईओ, डीजीपी और संबंधित राज्यों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कई दौर की समीक्षा बैठकें कीं। इसके अलावा 376 व्यय पर्ववैशकों के साथ 7,470 फ्लाइट्स स्वाइड टीम और 7,470 स्टैटिक सर्विलांस टीमों को तैनात किया गया ताकि चुनाव हिंसा-मुक्त, भय-मुक्त और प्रलोभन-मुक्त रह सके। इन जन्वी कार्रवाइयों को इलेक्शन सीजर मैनेजमेंट सिस्टम (ईएसएमएस) प्लेटफॉर्म के जरिए और अधिक प्रभावी बनाया गया, जिसने विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय और सूचना साझा करने की प्रक्रिया को सुगम किया। 26 फरवरी से सक्रिय इस प्लेटफॉर्म के जरिए 6 मई तक कुल 1,444.96 करोड़ रुपये की जन्वी की गई। पांच राज्यों में चुनाव के दौरान 1,400 करोड़ से अधिक की अवैध वस्तुएं जन्त हुईं दिल्ली, 07 मई (हि.स.)। चुनाव आयोग ने असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की विधानसभाओं के आम चुनाव और पांच राज्यों की सात विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनावों के दौरान आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) का कड़ाई से पालन कराते हुए 1,400 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की अवैध वस्तुएं जन्त कीं। आयोग ने मुख्य सचिवों, सीईओ, डीजीपी और संबंधित राज्यों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कई दौर की समीक्षा बैठकें कीं। इसके अलावा 376 व्यय पर्ववैशकों के साथ 7,470 फ्लाइट्स स्वाइड टीम और 7,470 स्टैटिक सर्विलांस टीमों को तैनात किया गया ताकि चुनाव हिंसा-मुक्त, भय-मुक्त और प्रलोभन-मुक्त रह सके। इन जन्वी कार्रवाइयों को इलेक्शन सीजर मैनेजमेंट सिस्टम (ईएसएमएस) प्लेटफॉर्म के जरिए और अधिक प्रभावी बनाया गया।



बंगाल का एमबीबीएस डॉक्टर नकली नोटों के साथ गिरफ्तार



भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल की कोहेफंजा पुलिस ने नकली नोटों की तस्करी के मामले में पश्चिम बंगाल के निवासी एक एमबीबीएस डॉक्टर को गिरफ्तार किया है। आरोपित के पास से 500 रुपये के 280 नकली नोट बरामद किए गए हैं, जिनकी कुल कीमत 1.40 लाख रुपये है। पुलिस को सहित है कि आरोपित किसी विशेष विचारधारा या संगठन से जुड़ा हो सकता है, जिसके चलते अदालत ने उसे सात दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। टीआई केजी शुक्ला ने मामले का खुलासा करते हुए गुरुवार को बताया कि यह कार्रवाई बुधवार दोहरेर सैफिया कॉलेज ग्राउंड के पास की गई। मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक युवक जाली नोट खपाने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहा है। घेराबंदी कर पकड़े गए आरोपित की पहचान 27 वर्षीय

कि आरोपित के पास मिले नोटों का कागज पाकिस्तान और नेपाल का है, जो इस मामले के अंतरराष्ट्रीय तारों की ओर इशारा करता है। 60 हजार के नकली नोट बाजार में खपा चुका

पूछताछ के दौरान आरोपित सैफूल इस्लाम ने खुलासा किया कि वह पिछले 10 दिनों में लगभग 60 हजार रुपये के नकली नोट बाजार में खपा चुका है। वह पश्चिम बंगाल से अपने एक साथी के जरिए दो लाख रुपये की नकली करेंसी मात्र 60 हजार रुपये में लेकर आया था। भोपाल में वह 300 रुपये के असली नोटों के बदले 500 का एक जाली नोट देने का काम कर रहा था। आरोपित ने स्वयं को एमबीबीएस डॉक्टर बताया है और प्राथमिक तौर पर उसका कहना है कि बिना मेहनत के जल्द अमीर बनने की

चाह में वह इस अवैध धंधे में शामिल हुआ।

आरोपित के पास से एक आईफोन और एक आईफोन और पेनड्राइव मिली

मामले की गंभीरता तब और बढ़ गई जब पुलिस को आरोपित के पास से एक आईफोन और पेनड्राइव मिली। आरोपी अपने फोन में लंदन की 'प्लस 44' सीरीज के विशेष नंबर का उपयोग कर रहा था और विदेशी नंबरों के माध्यम से ही संपर्क में था। इसके अलावा, उसने स्वीकार किया कि वह साइबर टांगों को फर्जी बैंक खाते उपलब्ध कराने का काम भी करता है। पुलिस अब इस बात की गहनता से पड़ताल कर रही है कि आरोपित का नेटवर्क किन-किन राज्यों और देशों तक फैला हुआ है और उसका वास्तविक उद्देश्य क्या था?

लिपुलेक के रास्ते कैलाश मानसरोवर यात्रा पर नेपाल के दावे को भारत ने फिर किया खारिज



काठमांडू। लिपुलेक के रास्ते कैलाश मानसरोवर यात्रा संचालन को लेकर भारतीय विदेश मंत्रालय ने अपने पुराने रुख को दोहराते हुए नेपाल के दावे को खारिज किया है। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि कैलाश मानसरोवर यात्रा का विषय कोई नया मुद्दा नहीं है। विदेश मंत्रालय की साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में उन्होंने कहा, हूम्स इस विषय पर पहले ही प्रेस नोट जारी कर चुके हैं। मानसरोवर यात्रा साल 1954 से ही होती आ रही है। यह कोई नया विषय नहीं है। कुछ दिन पहले भारत और चीन बायोमेट्रिक सत्यापन किए जा चुके हैं। सरकार का कहना है कि जननी प्लेटफॉर्म मातृ एवं शिशु मृत्यु दर कम करने, स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने और डिजिटल हेल्थ सिस्टम को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

लिपुलेक के रास्ते कैलाश मानसरोवर यात्रा पर नेपाल के दावे को भारत ने फिर किया खारिज

पहले से जारी विषय है। हालांकि भारत ने नेपाल के साथ इस विषय पर संवाद के लिए तैयार रहने की बात भी कही थी।

सन 2015 में भारत और चीन के बीच लिपुलेक के रास्ते व्यापार और तीर्थयात्रियों के आवागमन को लेकर समझौता हुआ था। उस समय भी नेपाल ने कूटनीतिक नोट भेजकर विरोध दर्ज कराया था लेकिन भारत और चीन दोनों ने औपचारिक रूप से कोई जवाब नहीं दिया था। इस बार भी चीन की



ओर से नेपाल की आपत्ति पर अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

नेपाल का दावा है कि सन1816 में नेपाल और ब्रिटिश भारत के बीच हुई सुगौली संधि के अनुसार महाकाली नदी के पूर्व का भूभाग नेपाल का हिस्सा है। नेपाल के अनुसार लिप्मियाधुरा से निकलने वाली महाकाली नदी ही वास्तविक सीमा नदी है इसलिए लिपुलेक क्षेत्र नेपाल के अधिकार क्षेत्र में आता है।